सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 02 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

1.5 करोड़ का इनामी नक्सली भूपति सहित 60 नक्सलियों ने किया सरेंडर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में माओवादी नक्सल संगठन को बड़ा झटका लगा है। बस्तर में

संगठन के केंद्रीय कमेटी मेंबर (सीसीएस) सोनू दादा उर्फ भूपति ने 60 साथियों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। बता दें कि खूंखार नक्सली भूपति पर डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम था। नक्सलियों ने लगभग 50 हथियार भी गढ़चिरौली पुलिस के हवाले किए हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 3 DKSZC मेंबर और 10 DVCM सदस्य शामिल हैं।

यह माओवादी संगठन के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। खूंखार नक्सली भूपति पांच राज्यों की पुलिस के निशाने पर था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा पुलिस तलाश कर रही थी। कई बड़ी नक्सली घटनाओं शामिल में रहा है। भूपति गढ़चिरौली में नक्सलियों के पोलित ब्यूरो मेंबर भी था। भूपति के साथ अन्य 60 नक्सलियों ने 50 हथियार के साथ समर्पण किया है। ये नक्सली हथियार समेत आत्मसमर्पण करने की बात पहले की कह चुके थे। सोनू दादा के बयान के बाद नक्सलियों में दो फाड़ हो गई थी। अब कई और नक्सलियों के आत्मसमर्पण की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस की ओर से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों से पूछताछ जारी की जा रही है। इससे पहले दंतेवाड़ा जिले में 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इसमें 21 महिला नक्सली और 50 पुरुष नक्सली शामिल थे।

छत्तीसगढ़ में औसत से ज्यादा बारिश, बलरामपुर में 1646 मिमी हुई वर्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब तक 1212.3 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। आंकडे बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1646.8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 554.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1159.6 मिमी, बलौदाबाजार में 1004.8 मिमी, गरियाबंद में 1234.9 मि.मी, महासमुंद में 1065.1 मिमी और धमतरी में 1149.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1205.1 मिमी, मुंगेली में 1183.0 मिमी, रायगढ़ में 1396.7 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1116.1 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1413.5 मिमी, सक्ती में 1274.2 मिमी, कोरबा में 1179.3 मिमी और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1112.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 948.2 मिमी, कबीरधाम में 892.0 मिमी, राजनांदगांव में 1012.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1462.0 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 919.1 मिमी और बालोद में 1317.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 799.0 मिमी, सूरजपुर में 1183.2 मिमी, बलरामपुर में 1580.4 मिमी, जशपुर में 1105.3 मिमी, कोरिया में 1253.4 मिमी और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1138.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1635.3 मिमी, कोंडागांव जिले में 1213.5 मिमी, कांकेर में 1421.8 मिमी, नारायणपुर में 1474.4 मिमी, सुकमा जिले में 1323.8 मिमी और बीजापुर जिले में 1632.4 मिमी की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

सुशासन संवाद : डिजिटल प्रशासन, नवाचार व पारदर्शिता की दिशा में निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुआ 'सुशासन संवाद' कार्यक्रम – जिलों के नवाचारों पर हुई विस्तृत चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन के ऑडिटोरियम में सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 'सुशासन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि नवाचार ऐसे हों जो दीर्घकालिक रूप से व्यवहारिक हों, नागरिकों की सुविधा बढ़ाएं, और शासन की फ्लैगशिप योजनाओं को सहयोग दें। राज्य सरकार नवाचारों का स्वागत करती है, परंतु यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बुनियादी प्रशासनिक कार्य इससे प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि नवाचार तुगलकी प्रयोग न बनें, बल्कि नागरिक जीवन को सरल बनाने का माध्यम बनें। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, विभागीय सचिव, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ सहित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जो भी नवाचार हों, उनमें लोगों की राय अवश्य शामिल की जाए और उनके प्रभाव का फीडबैक लिया जाए। उन्होंने कहा कि कई बार जिले में किए गए नवाचार आने वाले अधिकारियों की प्राथमिकता में नहीं रहते, इसलिए इनकी स्थायित्व और उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। नवाचार का उद्देश्य जनता की सेवा और पारदर्शिता में वृद्धि होना चाहिए।

लोक सेवा गारंटी पर सख्त रुख

मुख्यमंत्री साय ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम को सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी सेवाएं निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण ढंग से दी जाएं और यदि देरी होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा में यह देखा जाएगा कि कितने मामलों का समय पर निराकरण हुआ और कितने अधिकारियों पर कार्रवाई की गई।

ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल और डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज डिजिटल गवर्नेंस का युग है। सभी कलेक्टर सुनिश्चित करें कि ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर अधिकाधिक सेवाएं उपलब्ध हों और जनता ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक सेवा को डिजिटल करना ही पारदर्शी शासन की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

कार्यालयीन अनुशासन और स्वच्छता पर विशेष बल

सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आरंभ किए गए 'पुराने दस्तावेज हटाओ' अभियान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यालयों में वर्षों पुराने अनुपयोगी फाइलें न केवल जगह घेरती हैं, बल्कि नागरिकों में गलत छवि भी बनाती हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कलेक्टर अपने कार्यालयों को व्यवस्थित करें ताकि पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ सके।

ई-ऑफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम ई-ऑफिस प्रणाली है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय सीमा में इसे पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैनुअल प्रक्रिया पर निर्भरता घटाना आवश्यक है और सभी लंबित फाइलों को डिजिटल माध्यम में लाना होगा ताकि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके।

शिकायतों के समाधान के लिए पारदर्शी व्यवस्था

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी निराकरण प्रशासन की जिम्मेदारी है। सभी कलेक्टर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध करें और डिजिटल माध्यम में उनके समाधान की स्थिति उपलब्ध कराएं। इससे नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा और भ्रष्टाचार की संभावनाएं समाप्त होंगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में मैनुअल गवर्नेंस से भ्रष्टाचार बढ़ा, जबकि डिजिटल प्रणाली जवाबदेही सुनिश्चित करती है।

फील्ड विजिट और निरीक्षण की स्थायी प्रणाली बने

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केवल आकस्मिक निरीक्षण से प्रशासन नहीं सुधरता। फील्ड विजिट को स्थायी प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि जैसे पानी की गहराई का अंदाजा पानी में उतरे बिना नहीं होता, वैसे ही योजनाओं की सच्चाई फील्ड में जाकर ही पता चलती है। नियमित निरीक्षण से न केवल सुधार होता है बल्कि आंकड़ों की बाजीगरी पर भी नियंत्रण रहता है। मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी को ट्रांसफॉर्म करने का समय आ गया है। नई कार्य संस्कृति और तकनीक को अपनाए बिना सुशासन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि जनता में विश्वास बढ़ाना है, तो उच्चाधिकारियों को खुद उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम स्वयं समय पर दफ्तर पहुंचेंगे, तभी नीचे तक अनुशासन की संस्कृति बनेगी।

नक्सलियों ने की भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

■ **बीजापुर में पुलिस की मुखबिरी के शक में रस्सी से गला घोंटकर मार डाला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

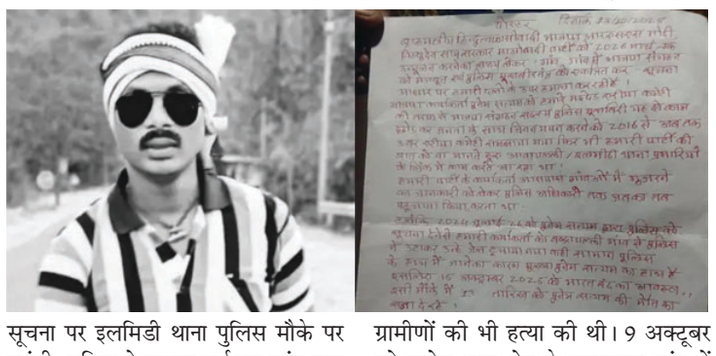

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। नक्सलियों ने एक बार फिर मुखबिरी के शक में एक हत्या कर दी। इस बार यहां भाजपा कार्यकर्ता की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। घटना के बाद नक्सलियों ने पर्चा जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली है। मामला जिले के इलमिडी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार इलमिडी थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में सत्यम पुनेम मुजाल की हत्या कर दी। शव मिलने की सूचना पर इलमिडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सत्यम पुनेम भाजपा कार्यकर्ता था और कांकेर का रहने वाला था। नक्सलियों की मद्येड एरिया कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए पर्चा छोड़ा है। पर्चे में लिखा है कि सत्यम पुनेम अधिकारियों तक उनकी जानकारी पहुंचाता है।

बता दें कि पिछले 6 दिनों में ये तीसरी हत्या है। इससे पहले माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की भी हत्या की थी। 9 अक्टूबर को पामेड़ थाना क्षेत्र के उड़तामल्ला गांव में नक्सलियों ने ग्रामीण कुमार पोडियम की हत्या कर दी थी। इसके घटना के दो दिन बाद, 11 अक्टूबर की रात उसूर थाना क्षेत्र के कमलापुर गांव में नक्सलियों ने एक और ग्रामीण गुड्डु सोड़ी की हत्या कर दी। करीब दो सप्ताह पूर्व 28 सितंबर को बीजापुर में नक्सलियों ने 27 साल के सुरेश कोरसा की हत्या कर दी थी।

बीजापुर में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता, 51 जिंदा बीजीएल सहित भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां के ताड़पाला बेस कैंप से कोबरा 206, सीआरपीएफ 229, 153 और 196 और बीजापुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने केजीएच तलहटी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा छिपाई गई भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है।

मिली जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर को ताड़पाला बेस कैंप से शुरू हुए एरिया डॉमिनेशन और सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई। सुरक्षा बलों की टीम केजीएच फुटहिल्स इलाके में गश्त कर रही थी, जब दोपहर करीब तीन बजे उन्हें जंगल में माओवादियों द्वारा छिपाकर रखी गई सामग्री मिली। सुरक्षा बलों की चौकसी और तुरंत कार्रवाई से बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है।

सुरक्षाबलों ने मौके से 51 जिंदा बीजीएल, 100 बंडल एचटी एल्यूमिनियम तार, 50 स्टील पाइप बड़ी मात्रा में बिजली के तार, 20 लोहे की चादरें और 40 लोहे की प्लेटें बरामद की गईं। इसके अलावा माओवादियों द्वारा लगाए गए 5 प्रेशर आईईडी भी बरामद किया गया जिसे बीडीएस टीम ने निष्क्रिय कर दिया।

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को किया 2-0 से क्लीन स्वीप : दिल्ली टेस्ट में 7 विकेट से दर्ज की जीत

स्पोर्ट्स डेस्क

नईदिल्ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया है। यहां खेले गए दूसरे व अंतिम टेस्ट के पांचवे दिन पहले सेशन में ही निर्धारित लक्ष्य पा लिया। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था। शुभमन गिल ने बतौर कप्तान होम ग्राउंड पर पहली टेस्ट सीरीज जीती है।

दिल्ली टेस्ट में भारत को 121 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारत ने तीन विकेट पर हासिल कर लिया। केएल राहुल ने चौका लगाकर जीत दिलाई। वे 58 रन बनाकर नाबाद लौटे। एक दिन पहले फॉलो ऑन खेल रही वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत ने 518 और वेस्टइंडीज ने 248 रन बनाए। भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली थी। भारत की पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 और यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए।

भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। फॉलोऑन खेलने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 390 रन बनाए। इस तरह वेस्टइंडीज की कुल बढ़त 120 रन की हुई और भारत को 121 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

बतौर कप्तान शुभमन गिल की पहली टेस्ट सीरीज जीत है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में गिल टेस्ट कप्तान बने थे। हालांकि, वह सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ था। अब गिल ने कप्तानी करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। उन्होंने वेस्टइंडीज का सफाया कर आगाज किया है। भारत को 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफअपने घर में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारत WTC पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर

इस जीत के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 सीजन की पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर कायम है। टीम की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले भारत ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के पास 61.90 प्रतिशत पॉइंट हैं। टीम ने 7 में से 4 मैच जीते हैं और 2 मुकाबले हारे हैं। एक मैच ड्रॉ रहे हैं।

तो क्या दिन में नहीं होते रेप?

श्रीकंचनपथ

घटना कोई भी हो, नेता चुप नहीं रह सकते। चुप रहना भी चाहेंगे तो पत्रकार उन्हें चुप रहने नहीं देंगे। कोलकाता में फिर एक मेडिकल स्टूडेन्ट से रेप हो गया। स्टूडेन्ट अपने मित्र के साथ रात के 9 बजे कहीं जा रही थी। तभी तीन लोगों ने उन्हें घेर लिया। उसका वीर पुरुष साथी डर गया और भाग खड़ा हुआ। हमलावर स्टूडेन्ट को उठाकर जंगल में ले जाते हैं और बारी-बारी से उसका रेप करते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी आती है कि लड़कियां अपनी सुरक्षा की खातिर रात बेरात बाहर न जाएं। जैसा की हमेशा होता है, तुरन्त नेतागिरी शुरू हो गई। अव्वल तो भारत में रेप और लड़कियों की सुरक्षा पर नेताओं को बोलना ही नहीं चाहिए। ऊपर से ममता को तो बिल्कुल भी नहीं। थोड़े दिन पहले ही वहां एक डाक्टर का रेप मर्डर हुआ है। स्टैंडर्ड स्टेटमेंट होता कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा तथा उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। वैसे भी लड़कियां रात को निकलें या न निकलें, वो सुरक्षित फिर भी नहीं हैं। 8 साल पहले विशाखापत्तनम की सड़कों पर एक महिला का खुलेआम दिन-दहाड़े सड़क किनारे रेप किया गया। किसी ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बाकी लोग घटना को नजरअंदाज करते हुए आते जाते रहे। यह कोई पहली घटना नहीं है। कई बार तो महिलाओं को सार्वजनिक रूप से निर्वस्त्र करने के आदेश खुद पंचायतें देती रही हैं। 2017 के अगस्त में ओडीशा के मलकानगिरी में एक आदिवासी महिला का सार्वजनिक बलात्कार किया गया जिसका वीडियो वायरल हो गया। सितम्बर 2024 में मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक 28 वर्षीय युवक ने 45 वर्षीय महिला के साथ सार्वजनिक स्थान पर बलात्कार किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने इसका भी वीडिया बना लिया। इससे पहले 18 अगस्त 2024 को देहरादून में एक रोडवेज बस में एक पंजाबी युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। इसी साल के आरंभ में दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में एक महिला के साथ बलात्कार किया गया। हजरत निजामुद्दीन पुलिस ने उसकी एफआईआर लिखने या मेडिकल कराने तक से इंकार कर दिया। अगस्त 2025 में ही दिल्ली के सिविल लाइन्स इलाके में एक 24 वर्षीय युवती को ड्रग्स देकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। ये अपराधी तो फिर भी बाहर वाले थे। अक्टूबर 2024 में एक 13 साल की छात्रा गर्भवती हो गई। उसके साथ उसके अपने ही सगे भाई ने संबंध बनाए थे। 20 वर्षीय एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ उसके सगे और चचेरे भाई द्वारा लगातार बलात्कार किये जाने की खबर भी आई थी। पिछले ही साल दिल्ली कोर्ट ने एक व्यक्ति को अपनी ही सौतेली बेटी को गर्भवती बनाने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। 2015 में मुम्बई पुलिस ने दो भाईयों को अपनी ही सगी बहनों के साथ लंबे समय तक बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कैसे बचाएंगे इन लड़कियों को?

संपादकीय

योगी की तारीफ से क्यों बढ़ी अखिलेश की बेचैनी

बसपा सुप्रीमो मायावती ने गत दिनों लखनऊ की महारैली में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खुलकर तारीफकी और समाजवादी पार्टी व अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है, जो यूपी की सियासत में एक बड़े दांव के रूप में देखा जा रहा है। मायावती ने योगी सरकार को स्मारक स्थलों के रखरखाव व बहुजन हित में सकारात्मक भूमिका के लिए आभार जताया और साथ में सपा पर आरोप लगाया कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले का इस्तेमाल सिर्फ विपक्ष में करते हैं, सत्ता में रहकर इसे भूल जाते हैं।

मायावती की यह रणनीति 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन और दलित वोटरों को अपने पक्ष में एकजुट करने का प्रयास है। उन्हें पता है कि सपा की 'पीडीए' रणनीति ने दलित-मुस्लिम-ओबीसी गठजोड़ को मजबूत किया है, जिससे बसपा का कोर वोटर प्रभावित हुआ है। इसी वजह से मायावती ने रैली के मंच से कहा कि बीएसपी अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ेगी और गठबंधन से दूर रहेगी, क्योंकि पिछली बार सपा या कांग्रेस के साथ किए गए गठबंधन चुनाव में बसपा को फायदा नहीं मिला था।

भाजपा के प्रति उनका नरम रुख और योगी की तारीफभी एक सोची-समझी रणनीति है। मायावती जानती हैं कि उनका सीधा मुकाबला भाजपा से कम और सपा-कांग्रेस के वोट कटवा फॉर्मूलों से ज्यादा है। वे दलित समाज में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं, ताकि सपा के 'पीडीए' या कांग्रेस की जातिगत जनगणना की मांग के जरिए दलित वोट बैंक में सेंध न लगे। भाजपा के साथ नजदीकी दिखाने का खतरा जरूर है, लेकिन बीएसपी के थिंक टैंक मानते हैं कि उनका कोर वोटर जबरदस्त रूप से पार्टी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा है। 2007 के 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' वाली व्यापक सामाजिक समीकरण को मायावती फिर से खड़ा करना चाह रही हैं।

बसपा का प्रदर्शन लगातार गिरता गया है 2007 में अकेले 206 सीटें, 2012 में 80, 2017 में 19 और 2022 में मात्र 1 सीट मिली। लोकसभा चुनावों में भी 2014 और 2024 में शून्य पर रही है। ऐसे में मायावती का दांव अपनी ताकत का सार्वजनिक प्रदर्शन, योगी से नजदीकी, और दलित-मुस्लिम व गैर-जाटव समाज को फिर से जोड़ना है। वो इसका असर पहले पंचायत चुनावों में और फिर 2027 के विधानसभा चुनावों में दिखाना चाहती हैं, ताकि भीड़ वोट में बदल सके और डाउनफॉल का सफर रुक सके। हालांकि विपक्ष सपा और कांग्रेस बीएसपी-भाजपा की 'अंदरूनी सांठगांठ' बताकर दलित समाज को मायावती से दूर करने की कोशिश कर रही है, साथ ही बीएसपी पर 'बी टीम' का आरोप भी लगा रहे हैं। लेकिन मायावती ने साफ किया है कि उनका असल टारगेट दलित, बहुजन और सर्वजन का वही पुराना समीकरण दोबारा कायम करना है, जिसके बूते 2007 में पूर्ण बहुमत मिला था। यही वजह है कि वो भाजपा या किसी गठबंधन की परवाह किए बिना अपने कोर वोटरों के साथ मजबूत रिश्ते पर फोकस कर रही हैं, भले इसके लिए कोई आलोचना झेलनी पड़े।

संक्षेप में कहा जाए तो मायावती ने इस दांव से सपा के पीडीए फॉर्मूले को कमजोर करने, भाजपा के साथ नजदीकी दिखाकर दलितों का भरोसा दोबारा हासिल करने और बहुजन समाज को पुराने जमाने की तरह एक मंच पर लाने की कोशिश की है। आने वाले चुनावों में यह दांव कितना काम करेगा, यह पंचायत चुनाव और 2027 के नतीजे ही तय करेंगे। लेकिन मौजूदा हालात में यूपी की सियासी बिसात पर 'हाथी' का फिर से सक्रिय होना सपा और कांग्रेस दोनों की साइकिल को डगमगाता दिख रहा है।

नरेन्द्र मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी, केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100% शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोजगार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मजबूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता- पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के जरिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16त्न से ज्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8त्न किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मजबूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीजन में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफइंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15त्न ज़्यादा है। सिर्फऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है।

भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं- एक ऐसे देश की, जो कभी नाजुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं।

आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है- अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है। इसका उद्देश्य है- भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाजारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोजगार और निर्यात तीनों को तेजी से बढ़ावा दिया है।

50, 000 करोड़ की लागत से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, हमारे अनुसंधान और विकास तंत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। स्टार्टअप्स के लिए दूसरा फंड-ऑफ-फंड्स और पीएलआई योजनाओं का विस्तार भारत की तकनीकी नींव को और गहरा बनाएगा। यही है रणनीतिक स्वतंत्रता के रूप में आत्मनिर्भर भारत, जो आत्मविश्वास पर आधारित नीतियों के जरिए साकार और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से और भी मजबूत बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा तैयार किया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब वीजा की तुलना में अधिक दैनिक लेनदेन को संभालता है, जो प्रतिदिन 650 मिलियन से अधिक है। आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते हैं जो बड़े पैमाने पर नागरिकों, छोटे व्यवसायों और नवप्रवर्तकों को जोड़ता है। सिंगापुर, यूएई और अन्य के साथ यूपीआई की वैश्विक साझेदारियां दर्शाती हैं कि भारतीय नवाचार वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। यह है- तकनीक के रूप में शासन, सशक्तिकरण और निर्यात।

इस पूरी कहानी के केंद्र में लोग ही हैं। हमारा प्रवासी भारतीय समुदाय, जो 3.2 करोड़ से अधिक है, दुनिया के सबसे सफल और सम्मानित समुदायों में से एक है। आज फार्च्यून 500 की 11 कंपनियां ऐसे भारतीय मूल के सीईओ के नेतृत्व में हैं, जिनका संयुक्त मार्केट कैपिटलाइजेशन 6 ट्रिलियन डॉलर से भी ज्यादा है। उनकी यात्रा नए भारत की आकांक्षाओं को दर्शाती है- कुशल, आत्मविश्वासी और समाधान केंद्रित। साल 2024 में 135 अरब डॉलर की रकम के रूप में आए धन प्रेषण सिर्फ आर्थिक प्रवाह नहीं हैं। वे भारत पर विश्वास का प्रतीक हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार कहा है- विदेश में रहने वाला भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि भारत के मूल्यों और उद्यमशीलता का दूत है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस फैली हुई वैश्विक ऊर्जा को घरेलू आधार प्रदान किया है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया केवल अलग-अलग पहल नहीं हैं। ये एक जुड़ी हुई मूल्य श्रृंखला हैं: अवसर पहचानना, उद्यमिता को सक्षम बनाना, और प्रतिभा को तैयार करना। अगला कदम है- एक व्यापक वैश्विक कौशल मिशन, जो इन पहलों को एक ही ढांचे में एकजुट करेगा। इसमें शामिल होंगे: मानकीकृत पाठ्यक्रम, जो अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों से मेल खाते हों, कर्मचारियों के लिए प्रस्थान पूर्व प्रशिक्षण, भाषा और सांस्कृतिक प्रशिक्षण, और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा समझौते। ये सभी उपाय भारतीय कामगार को दुनिया भर में पसंदीदा पेशेवर बनाएंगे। यह एजेंडा पहले ही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति के तहत बनाए गए कई जी2जी साझेदारियों के माध्यम से लागू हो रहा है।

इसलिए हनुमान की छलांग का प्रतीकात्मक महत्व उपयुक्त है। यह कोई विरोध का कार्य नहीं था, बल्कि कर्तव्य का निर्वाह था, जो आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से संभव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की शासन दर्शन भी इसी विश्वास पर आधारित है कि भारत की नियति अपने लोगों की संकल्पशक्ति और संभावनाओं को जागृत करने में निहित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल रूपांतरण, हरित ऊर्जा और वैश्विक साझेदारियां इस जागृति के साधन हैं। जहाँ दूसरे दीवारें बनाते हैं, भारत क्षमता का निर्माण करता है।

जहाँ दूसरे व्यापार को सीमित करते हैं, भारत अवसर बढ़ाता है। जहां दूसरे भविष्य से डरते हैं, भारत उसकी तैयारी करता है। हनुमान की छलांग स्मृति की पुनर्प्राप्ति थी।प्रधानमंत्री मोदी का प्रयास यही रहा है कि भारत की क्षमता की राष्ट्रीय स्मृति को फिर से जागृत किया जाए। जब दूसरे दीवारें खड़ी करते हैं, तो भारत क्षमता का निर्माण करता है। जहां दूसरे अवसर सीमित करते हैं, भारत उन्हें बढ़ाता है। यही तरीका है जिससे सभ्यता में निहित आत्मविश्वास आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक ताकत में बदल जाता है। जैसे-जैसे हम दिवाली के करीब आ रहे हैं, यह याद रखना जरूरी है कि हनुमान की छलांग ने समुद्र को छोटा नहीं किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। दुनिया नई बाधाएं खड़ी कर सकती है, लेकिन भारत के पास आज ऊंचा उठने के लिए नेतृत्व, लचीलापन और उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के मार्गदर्शन में, यह ऐसा देश है, जो किनारे पर नहीं रुकेगा। यह अपनी ताकत को याद रखता है और आगे छलांग लगाता है।

खाद्य सुरक्षा की सशक्त परिकल्पनाः जिले की सार्वजनिक वितरण प्रणाली से साकार होता जन-कल्याण

महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छत्तीसगढ़ राज्य सदैव अपने नागरिकों के जीवन-स्तर को उन्नत बनाने, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने और सामाजिक न्याय की भावना को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। राज्य सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित योजनाएं न केवल जनजीवन की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि गरीबी उन्मूलन, सामाजिक समानता और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक योगदान दे रही हैं। खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम 2012 तथा छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के अंतर्गत जारी राशन कार्ड राज्य के लाखों परिवारों तक खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। यह केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि राज्य सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी नागरिक भूखा न रहे।

खाद्य सुरक्षा के डिजिटल प्रबंधन की नई पहल

डिजिटल इंडिया अभियान की भावना को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने खाद्य वितरण प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और जनसुलभ बनाने के लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया है। राज्य के सभी जिलों और विकासखण्डों में राशनकार्ड वितरण एवं खाद्यान्न आपूर्ति की प्रक्रिया को ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ा गया है। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत भरतपुर, खड़गवां, मनेन्द्रगढ़, जनकपुर, खोंगापानी, झगराखाण्ड, नईलेदरी और चिरमिरी जैसे क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों की संपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध है। इससे आम नागरिक को पारदर्शी व्यवस्था के तहत अपनी पात्रता और लाभ की जानकारी सरलता से मिल रही है।

जिसमें भरतपुर विकासखण्ड में कुल 31,908 राशनकार्डधारी परिवारों में 13,376 अंत्योदय कार्ड, 39 निराश्रित कार्ड, 17,520 प्राथमिकता कार्ड, 19 नि:शक्तजन कार्ड और 954 एपीएल परिवार शामिल हैं। खड़गवां विकासखण्ड में 4,354 अंत्योदय कार्ड, 21 निराश्रित कार्ड, 12,629 प्राथमिकता कार्ड, 2 नि:शक्तजन कार्ड और 819 एपीएल परिवारों सहित कुल 17,825 लाभार्थी परिवार हैं। मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक में 5,932 अंत्योदय कार्ड, 114 निराश्रित कार्ड, 19,604 प्राथमिकता कार्ड, 10 नि:शक्तजन कार्ड और 1,856 एपीएल परिवार सहित कुल 27,516 परिवार इस योजना से जुड़े हैं। सभी ब्लॉकों को मिलाकर कुल 77,249 परिवार खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि जिले की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि हर थाली में अन्न के रूप में साकार है।

नगरीय निकायों में पोषण सुरक्षा का विस्तार

खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगरीय निकायों के नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंच रहा है। जनकपुर नगर पंचायत में 2 अंत्योदय राशन कार्ड परिवार हैं, जबकि नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में 9,997 लाभार्थी हैं जिनमें 1,793 अंत्योदय कार्ड, 18 निराश्रित कार्ड, 5,163 प्राथमिकता कार्ड, 10 नि:शक्तजन कार्ड और 3,013 एपीएल परिवार शामिल हैं। खोगापानी में 945 अंत्योदय कार्ड, 11 निराश्रित कार्ड, 2,442 प्राथमिकता कार्ड, 2 नि:शक्तजन कार्ड और 902 एपीएल परिवार सहित कुल 4,302 परिवारों को खाद्यान्न का लाभ मिल रहा है। झगराखांड में 296 अंत्योदय कार्ड, 9 निराश्रित कार्ड, 1192 प्राथमिकता कार्ड, 0 नि:शक्तजन कार्ड और 557 एपीएल परिवार सहित कुल 2054 परिवारों को खाद्यान्न का लाभ मिल रहा है।

नई लेदरी में 259 अंत्योदय कार्ड, 3 निराश्रित कार्ड, 737 प्राथमिकता कार्ड, 2 नि:शक्तजन कार्ड और 438 एपीएल परिवार सहित कुल 1439 परिवारों को खाद्यान्न का लाभ मिल रहा है। तथा चिरमिरी नगर पालिका क्षेत्र में 2163 अंत्योदय कार्ड, 66 निराश्रित कार्ड, 9028 प्राथमिकता कार्ड, 23 नि:शक्तजन कार्ड और 7585 एपीएल परिवार सहित कुल 18865 परिवारों को खाद्यान्न का लाभ मिल रहा है। परिवार इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हैं। यदि सभी नगरीय निकायों का संयुक्त योग देखें तो 36,659 परिवार खाद्य सुरक्षा के दायरे में हैं, जिनमें 5,458 अंत्योदय, 107 निराश्रित, 18,562 प्राथमिकता संस्था, 37 नि:शक्तजन और 12,495 एपीएल परिवार शामिल हैं। यह उपलब्धि इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण से लेकर नगरीय स्तर तक हर वर्ग को समान रूप से खाद्य सुरक्षा प्रदान की है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही का नया युग

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने वितरण प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीकी सुदृढ़ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अब प्रत्येक लाभार्थी अपने राशन कार्ड की स्थिति, नाम और वितरण विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर देख सकता है। साथ ही किसी भी अनियमितता की शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे प्रणाली में विश्वास और ईमानदारी दोनों सुनिश्चित हुए हैं। एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र) छत्तीसगढ़ द्वारा विकसित इस पोर्टल ने राज्य के लाखों गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रक्रिया को न केवल सरल बल्कि पूर्णत: पारदर्शी बनाया है। अब प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिमाह निर्धारित दर पर चावल, गेहूं, शक्कर और नमक जैसी आवश्यक वस्तुएं सुचारू रूप से मिल रही हैं।

खाद्य सुरक्षा से सशक्त होता मानव विकास

खाद्य सुरक्षा केवल अनाज वितरण की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, पोषण और सम्मान की भावना को साकार करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राज्य का कोई भी नागरिक भुखमरी या कुपोषण का शिकार न हो। राज्य के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य विभाग के बीच समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। इन योजनाओं ने विशेष रूप से आदिवासी, अनुसूचित जाति एवं वंचित वर्गों को पोषण की मुख्यधारा से जोड़ा है, जिससे मानव विकास सूचकांक में निरंतर सुधार हो रहा है।

एमसीबी जिला सशक्त, सुरक्षित और पोषित छत्तीसगढ़ की ओर

छत्तीसगढ़ की सार्वजनिक वितरण प्रणाली आज देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श मॉडल बन चुकी है। यहां खाद्यान्न वितरण का दायरा विस्तृत है, तकनीकी ढांचा मजबूत है और लाभार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। डिजिटलीकरण के माध्यम से हर पात्र परिवार तक खाद्य सुरक्षा पहुंचाना अब एक हकीकत बन गया है। एनआईसी छत्तीसगढ़ द्वारा विकसित पोर्टल ने इस दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशील शासन व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है, जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई भूखा न सोए, हर थाली में अन्न हो।

यह संपादकीय छत्तीसगढ़ सरकार की खाद्य सुरक्षा नीति की सफलता का जीवंत दस्तावेज है, जो दर्शाता है कि राज्य किस तरह तकनीक, पारदर्शिता और संवेदनशील प्रशासन के माध्यम से नागरिकों की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति कर रहा है। यही है सशक्त छत्तीसगढ़ - सुरक्षित छत्तीसगढ़ - पोषित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ता हुआ एक आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जनकेंद्रित राज्य है।

आलू

"सुषमा के स्नेहिल सृजन"

छंद-मनहरण घनाक्षरी
आलू भी उछल पड़ा, रसोई से
भाग खड़ा,
आसमान चढ़ा भाव,
थोड़ा-थोड़ा खाइये।

बेसन पकौड़ा कढ़ी, बना लेना
चाहे बड़ी,
स्नेह का मसाला डाल,
प्रेम से खिलाइये।

अचार सलाद प्याज, आनंद
उठाओ आज,
अभावों में खुश रह,
जीवन बिताइये।

लाल-लाल गोल बड़ा, टमाटर
भी बोल पड़ा,
चले नहीं मेरे बिन,
स्वाद कैसे पाइये।
सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छग)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

गतका चैंपियनशिप के विजेताओं को मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया पुरस्कृत

भिलाई। सेक्टर-06 गुरुनानक स्कूल में 13वीं राष्ट्रीय गतका चैम्पियनशिप-2025 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रतियोगिता में विजेताओ को पुरस्कृत किये और खिलाडियों में खेल भावना और अनुशासन को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिये। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधी एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शौर्य, अनुशासन और वीरता का प्रतीक गतका खेल के राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2025 भव्य आयोजन से जिले के खिलाडियों में खेल भावना को नई ऊँचाइयाँ दी हैं, बल्कि नगर का गौरव भी बढ़ा है। भारत सरकार के खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत खिलाडियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश की सरकार निरंतर प्रयासरत है। इन योजनाओं के परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सौजन्य से भिलाई में आयोजित नेशनल गतका चैम्पियनशिप में 16 राज्यों के 500 गतका खिलाडियों ने सहभागिता दी। 3 दिवसीय चैम्पियनशिप के भव्य समापन समारोह में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर सहित 3 वर्ग में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, महासचिव जसवंत सिंह खालसा, कोषाध्यक्ष मलकित सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष पाण्डेय, जसबीर सिंह, श्रीमती कल्पना स्वामी, जोगा राव एवं साजन जोसफ सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

विधायक ललित चंद्राकर ने दीपावली त्यौहार के लिए दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने निज निवास पर रिसाली नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों की बैठक आहूत कर दीपावली त्यौहार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में दीपावली और छठ पूजा पर्व के दौरान सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक ललित चंद्राकर ने निर्देश दिए कि रिसाली नगर निगम क्षेत्र के सभी चौक चौराहों पर लाइटिंग की समुचित व्यवस्था की जाए। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। गौरा गौरी चौराहे के मरम्मत और लाइटिंग व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। छठ पूजा पर्व पर तालाबों की सफाई के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। समय से पहले हो जाएं सभी कार्य..
विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि सभी कार्य समय से पहले पूरे कर लिए जाएं, ताकि आम जनता को त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इस बैठक में नगर आयुक्त मोनिका वर्मा, कर्मचारी मुकेश देशमुख, गोपाल सिन्हा, अखिलेश गुप्ता ,अमित चंद्राकर अनुपम साहू राजू राकेश जंघेल जिला मंत्री शैलेंद्र शेंडे उपस्थित रहे।

पटाखा दुकानों को लेकर नई गाइडलाइन जारी, टीन की शेड अनिवार्य, दुकानों के बीच की दूरी भी तय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गए है। नगर सेना दुर्ग के जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त एडवायसरी में कहा गया है- पटाखा दुकाने किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस, रस्सी टेंट इत्यादि का न होकर, अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुकाने एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साइड) पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबन्धित है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबन्धित रहेगी। विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर मास्ट स्विच में फ्युज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वत: बन्द हो जाए। दुकानें ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाइन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 किग्रा क्षमता का डीसीपी अग्नि शामक यन्त्र होना चाहिए। इसकी मारक क्षमता 6 फीट की होती है।

दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 200 लीटर क्षमता के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ होनी चाहिए। पटाखा दुकानों के सामने बाइक /कार की पार्किंग प्रतिबंधित होना चाहिए। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नंबर, दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए। अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गए है। जांच के दौरान नियमों का पालन नहीं करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत् कार्यवाही की जाएगी।

क्या करें

सायरीस प्राप्त विक्रेताओं से ही खरीदें। यह सुनिश्चित करें कि आप गुणा वाले पटाखे खरीद रहे हैं जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए अनुमोदित हो। इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर पार्क बड़े मैदान जैसे खुले स्थानों में पटाखे जलाएं। पटाखे जलाते समय संभावित आपातकालीन स्थिति के लिए पानी की बाती निकट रखे। आग से संबंधित चोटों के जोखिम को कम करने के लिए सूती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपडे आसानी से आग पकड़ सकते है। पटाखे जलाते समय बच्चों की निगरानी के लिए हमेशा एक व्यस्क को साथ रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षा उपायों का पालन कर रहे है। पटाखे फोड़ने के बाद इस्तेमाल किए गए पटाखों का पानी की बाल्टी में सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी बची हुई चिंगारी से अग्नि दुर्घटना ना हो। एक बार में एक ही पटाखा जलाएं, आग लगने की आशंका को देखते हुए एक साथ कई पटाखे जलाने से बचें। पटाखे में आग लगाने के बाद उससे सुरक्षित दूरी रखें। पटाखे जलाते समय हमेशा हवा की दिशा को ध्यान में रखें, जिससे कि उसकी चिंगारी घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़े।

क्या ना करें

घर के अन्दर खिड़कियों के पास या अन्य बंद स्थानों पर कभी पटाखे ना जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकते है। ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग ना करें, पटाखों को सूखी पत्तियों, गैस सिलेण्डर या वाहनों जैसी वस्तुओं से दूर रखें। यदि कोई पटाखा जलने में विफल रहता है तो उसे पुन: जलाने का प्रयास ना करें।

महापौर ने दो वार्डों को दिए 8 लाख

भवन संधारण और सीमेंटीकरण के लिए किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर और एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा में निर्माण कार्य के लिए 08 लाख रूपये स्वीकृत की है। विकास कार्य को आरंभ करने उन्होंने वार्ड 10 और वार्ड 18 पहुंचकर भूमिपूजन भी किया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को आस्वस्त किया कि निगम क्षेत्र में वे धिरे-धिरे विकास कार्य को पूर्ण कराकर मांगों को पूरा करेंगे।

महापौर शशि सिन्हा पहले वार्ड 10 पहुंची। यहां पर उन्होंने एमआईसी सदस्य जमुना ठाकुर के अनुरोध पर 05 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से ब्लाक 249 से 252 तक के छुटे हुए आंगन में सीमेंटीकरण का कार्य पूर्ण होगा। इसी तरीके से पार्षद रेखा देवी की मांग पर महापौर ने 03 लाख की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से वार्ड में गौरा चैड़ी निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। महापौर ने बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'सेफ्टी सर्कल पहल सुरक्षा 2025' के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कार्यस्थल सुरक्षा,कर्मचारी सहभागिता और सतत सुधार को सशक्त करने के उद्देश्य से अपनी 'सेफ्टी सर्कल'पहल को और मजबूती प्रदान की है। पिछले वर्ष प्रारंभ की गई इस पहल के अंतर्गत 39 टीमों ने भाग लिया था, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 81 टीमों तक पहुँच गई। यह 108 प्रतिशत की वृद्धि संयंत्र के भीतर सुरक्षा संस्कृति और टीम भावना को और मजबूत बनाती है। भिलाई इस्पात संयंत्र की इस उत्कृष्ट सहभागिता और प्रभावी प्रदर्शन के लिए उसे 'क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर कन्वेंशन 2025'में 'सेफ्टी सर्कल में सर्वाधिक सहभागिता पुरस्कार'से सम्मानित किया गया।

'सुरक्षा 2025'कार्यक्रम के अंतर्गत 83 पंजीकृत टीमों में से 81 टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए नवीन सुरक्षा समाधान प्रस्तुत किए। इसमें 400 से अधिक कर्मचारियों और ठेका कार्मिकों,जिनमें 81 अधिकारी भी शामिल थे,ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उच्च जोखिम वाले विभागों जैसे कि एसएमएस-2,एसएमएस-3 तथा पीबीएस में टीमों ने विशेष जोश दिखाया।

यह आयोजन 17 से 19 जून 2025 तक एचआरडीसी के चार हॉलों में संपन्न हुआ,जिसमें आठ विशेषज्ञों की मूल्यांकन समिति ने दो चरणों में प्रतियोगिता का आकलन किया। टीमों का मूल्यांकन 100 अंकों के पैमाने पर किया गया —70 अंक केस स्टडी और 30 अंक प्रस्तुतीकरण के लिए निर्धारित थे। इनमें से शीर्ष 20 टीमों को फाइनल चरण में प्रवेश मिला।

स्ट्रक्चर्ड मेंटरिंग के माध्यम से टीमों ने जोखिम कारकों की पहचान की, 150 से अधिक सुरक्षा सुधार प्रस्तावित किए तथा उनमें से 120 को सफलतापूर्वक लागू भी किया। इससे संयंत्र में जोखिम में उल्लेखनीय कमी आई तथा समग्र सुरक्षा प्रदर्शन में दृश्यमान सुधार दर्ज किया गया। सुरक्षा गतिविधियों में कर्मचारियों की सहभागिता पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया गया,जबकि विजेता टीमों को क्रमश: 25,000,15,000 और 10,000 रुपयों के पुरस्कार प्रदान किए गए।

भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के अधीन उद्यानिकी विभाग द्वारा अक्टूबर माह के द्वितीय सप्ताह में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह 2025 के अंतर्गत विद्यालय स्तरीय विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक डॉ. एन. के. जैन के नेतृत्व में आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और नागरिकों के बीच वन्य प्राणियों एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 5 अक्टूबर को स्कूली बच्चों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता, 7 एवं 8 अक्टूबर को भाषण प्रतियोगिता तथा 9 से 11 अक्टूबर तक एक सप्ताह मैत्री का पहल के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए चिड़ियाघर का नि:शुल्क भ्रमण आयोजित किया गया।

इन आयोजनों का समापन 12 अक्टूबर 2025 को मैत्री बाग के मोमबत्ती लॉन में एक रंगारंग सांस्कृतिक समारोह के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि के रूप में वन मंडलाधिकारी दिपेश कपिल उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत स्कूली बच्चों द्वारा स्वागत गीत से हुई, जिसके पश्चात अतिथियों ने बच्चों द्वारा बनाई गई आकर्षक चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति ने हमें वन्य पर्यावरण और वन्य प्राणियों के रूप में अमूल्य धरोहर दी है, जिनका संरक्षण करना केवल विभागीय नहीं बल्कि सामूहिक दायित्व है। ऐसे आयोजन जन-जागरूकता और भावी पीढ़ी में संरक्षण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र पर्यावरण एवं वन्य प्राणी संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध और सजग है।

इस अवसर पर विशेष अतिथि दिपेश कपिल ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता जनभागीदारी और जागरूकता से ही संभव होती है, और आज बच्चों ने इस तथ्य को साक्षात प्रमाणित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता ने कहा कि प्रकृति के संतुलन में वन्य प्राणियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका संरक्षण एक सतत् सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन उद्यानिकी विभाग निरंतर कर रहा है।

छग के ग्रामीण जीवन का सजीव चित्रण करता है बहू हाथ के पानी : रमेंद्रनाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ी साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर के चर्चित उपन्यास बहू हाथ के पानी के हिंदी अनुवाद का विमोचन रविवार को गीता भवन, सेक्टर-6 में किया गया। आयोजन मुक्तकंठ साहित्य समिति के तत्वावधान में हुआ, जिसमें रायपुर, दुर्ग और भिलाई के कई साहित्यकार व साहित्य प्रेमी शामिल हुए। हिंदी अनुवादक शैलेन्द्र पारकर हैं।

मुख्य अतिथि हेमचंद विवि दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने लेखक और अनुवादक दोनों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि किसी रचना का अनुवाद और विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में शामिल होना उसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. चितरंजन कर ने कहा कि छत्तीसगढ़ी परंपरा में 'बहू हाथ का पानी' एक मिथक रहा है और यह उपन्यास उसे वास्तविकता में बदलने का प्रयास करता है। रमेंद्रनाथ मिश्र ने कहा कि यह रचना ग्रामीण परिवेश का ईमानदार चित्रण करती है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। डॉ. पिसीलाल यादव ने इसे अब तक के छत्तीसगढ़ी ग्रामीण उपन्यासों में श्रेष्ठ बताया।

नरेंद्र कुमार सिक्केवाल, पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) ने कहा कि उपन्यास का शीर्षक ही कथानक का सार है और इसकी हर पंक्ति में गांव की मिट्टी की खुशबू है। समिति अध्यक्ष गोविंद पाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और समाज को समझने के लिए इस उपन्यास को पढ़ना जरूरी है।

बॉयो बाजार में दिखी प्रतिभा, इको फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक और हर्बल ऑर्गेनिक वस्तुएं बनाकर विद्यार्थियों ने बंटोरी वाहवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यायल में 'बॉयो बाजार'का आयोजन किया गया। कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित इस इवेंट में स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने इको फ्रेंडली बहुपयोगी वस्तुओं को स्वयं ही आकार दिया। इस इवेंट में बच्चों की प्रतिभा देखने को मिली। महाविद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य से लेकर सभी वरिष्ठ प्राध्यापक, संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्षों ने बच्चों की प्रतिभा की जमकर प्रशंसा की।

'बॉयो बाजार' में बच्चों ने कैंडल, साबुन, कार परफ्यूम, हवन कप, चॉकलेट्स आदि जैसे उपयोगी वस्तुओं को बनाया। इको फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक, हर्बल ऑर्गेनिक का प्रमुखता से ध्यान रखा गया। बॉयो बाजार में स्टॉल में इसे बेचा गया। इससे बच्चों की आमदनी हुई। अन्य विभाग के प्राध्यापकों ने सारे प्रोडक्ट्स की प्रशंसा की। साथ ही आकर्षक प्रोडक्ट्स की मेकिंग, पैकिंग और पैकेजिंग को सभी ने सराहा। इसके अलावा विभाग के विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से प्रकृति से लेकर प्राकृतिक चक्र और मानव जीवन में बायोटेक्नोलॉजी की महत्ता को रेखांकित किया गया।

डॉ.सौम्या खरे ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स को इनोवेटिव चीज सीखने मिलता है। साथ ही उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को तराशा गया। विभाग के अन्य प्राध्यापकों के गाइडेंस से बच्चों का 'बॉयो बाजार' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर साक्षी पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर आभा जोशी, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रज्ञा चन्द्राकर का मार्गदर्शन और विभागीय कर्मचारियों व विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एचओडी डॉ.सौम्या खरे ने बताया कि 'बॉयो बाजार' से पहले बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए उनकी ट्रेनिंग भी कराई गई थी। ताकी बच्चें बहु उपयोगी वस्तुओं को आसानी से आकार दे पाए। साथ ही बच्चें अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा पाए। उन्होंने बताया कि बॉयो इंटरप्रेन्योरशिप बच्चों के सिलेब्स का हिस्सा है। इसे बच्चों तक पहुंचाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ही डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर्स के साथ प्लानिंग करके 'बॉयो बाजार' के थीम को आकार दिया जा सका। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर साक्षी पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर आभा जोशी और असिस्टेंट प्रोफेसर प्रज्ञा चंद्राकर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

'बॉयो बाजार' का शुभारंभ करने से पहले कॉलेज के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा ने कार्यक्रम की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा साल 2047 के आत्मनिर्भर भारत की कल्पना में आप नवजवानों की महत्वपूर्ण भूमिका साबित होगी। इस दौरान वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉ.सलीम अकील, राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ.मणि मेखला शुक्ला, डॉ.क्षिप्रा सिन्हा, डॉ.हरिश कश्यप, डॉ.गुणवंत चन्द्रौल, डॉ.कविता वर्मा, स्पोर्ट्स ऑफिसर भुवनेश्वर साहू आदि मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस, बालिका सशक्तिकरण के लिए ग्राम पंचायतों में विविध कार्यक्रम आयोजित

महासमुंद। आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जिलेभर में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम बालिकाओं को सशक्त करें, समाज को सशक्त करें के अनुरूप, ग्राम पंचायत स्तर पर बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर एवं सशक्तिकरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज में बालिकाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने, उनके नेतृत्व को प्रोत्साहित करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने तथा समग्र विकास के मार्ग को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

पीरामल फाउंडेशन द्वारा चयनित ग्राम पंचायतों पीढ़ी, मोंगरा, खट्टी, बिरकोनी, लभरा-कला एवं घोड़ारी में पंचायतों के सहयोग से बालिका सशक्तिकरण पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायत मोंगरा में आयोजित सत्र के दौरान छात्राओं को गुड टच-बैड टच, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के विषय में जानकारी दी गई। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर नीलम नाशिने ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष सत्र लिया, जिसमें हाथ धोने की सही विधि, आयरन सप्लीमेंट्स का महत्व, डीवॉर्मिंग के लाभ, मासिक धर्म स्वच्छता तथा पोषण संबंधी सुझाव साझा किए गए। कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच रिखी राम साहू ने छात्राओं को फ्लैट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें स्वस्थ, स्वावलंबी एवं आत्मविश्वासी बनने का संदेश दिया।

वहीं ग्राम पंचायत पीढ़ी में ग्राम पंचायत प्लानिंग एंड फैसिलिटेशन टीम द्वारा बालिकाओं के अधिकार एवं सशक्तिकरण पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत बालिका जागरूकता रैली से हुई, जिसमें बालिकाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रेरक नारे लगाते हुए पूरे ग्राम में रैली निकाली। इसके पश्चात पंचायत प्रांगण में उत्कृष्ट बालिकाओं को पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बालिकाओं के उत्साहवर्धन हेतु खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधियों ने बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी।

734 मत्स्य कृषकों को शतप्रतिशत अनुदान में फिंगरलिंग का वितरण

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर जिले के सभी विकासखण्डों के 734 मत्स्य कृषकों को विभागीय 50 प्रतिशत फिंगरलिंग वितरण योजना अनर्गत गौड़ खनिज न्यास मद् एवं मछली पालन विभाग के अभिसरण से शत् प्रतिशत अनुदान में फिंगरलिंग मत्स्य कृषकों को वितरण किया गया है। इस अवसर पर कृषि स्थाई समिति सभापति इन्दु जांगड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। विभागीय 50 प्रतिशत फिंगरलिंग योजना अन्तर्गत प्रति मत्स्य कृषक प्रति हेक्टेयर जलक्षेत्र में 4000 रुपये का फिंगरलिंग दिये जाने का प्रावधान है जिसमें 2000 रुपये हितग्राही अंश एवं 2000 रुपये विभाग से अनुदान स्वरूप फिंगरलिंग प्रदाय किया जाता है।

जिले के चयनित मत्स्य कृषकों जिन्हे नियमानुसार जलक्षेत्र (तालाब/जलाशय) 10 वर्षीय पट्टे पर विभाग द्वारा प्रदाय किया गया है, ऐसे मत्स्य कृषकों का हितग्राही अंश गौड़ खनिज न्यास मद् से स्वीकृत किया गया है। जिले के मत्स्य कृषकों को शत् प्रतिशत अनुदान में फिंगरलिंग प्रदाय करने का मुख्य उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर पर मत्स्य कृषकों को रोजगार, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। साथ ही साथ समस्त जलक्षेत्रों का उपयोग कर मछली पालन किया जाना है तथा मत्स्य कृषकों को शत् प्रतिशत अनुदान में मत्स्य बीज प्रदाय करने का उद्देश्य जिले के मत्स्योत्पादन में वृद्धि करना है।

सांसद अग्रवाल ने हनुमान जी का दर्शन कर समाज में धार्मिक एकता व सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने हनुमान मंदिर, रामसागर पारा में श्रीराम भक्त हनुमान जी के पावन दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर सांसद ने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ मिलकर भक्ति भाव में भाग लिया और समाज में धार्मिक एकता एवं सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मंदिर में दर्शन करना और भक्ति मार्ग का अनुसरण करना सभी के लिए मानसिक और आध्यात्मिक शांति का स्रोत है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में सदाचार, समाजसेवा और एकता की प्रेरणा भी देती है।

साथ ही, सांसद ने श्री अखंड रामनाम सप्ताह समिति द्वारा आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस भंडारे में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को सफल और मंगलमय बताया। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को प्रोत्साहित करना था, बल्कि समाज में भक्ति, सद्भाव और एकता की भावना को भी मजबूत करना था। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सामूहिक चेतना और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सांसद ने मंदिर प्रशासन और समिति के सदस्यों की प्रशंसा की, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देते हैं। सांसद ने भंडारे में उपस्थित लोगों के साथ मिलकर प्रसाद वितरण किया और सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम न केवल व्यक्तिगत भक्ति को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और आपसी सहयोग का संदेश भी फैलाते हैं।

इस अवसर पर हनुमान मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के लोगों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। छोटे बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी ने भक्ति भाव में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल और मंगलमय बनाया। सांसद ने कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य और समाज में धार्मिक जागरूकता, सामाजिक समरसता और पारस्परिक सद्भाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे अपने दैनिक जीवन में सदाचार, भक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करें।

जलाशयों में वर्षा से सुधार, 12 जलाशयों में जल स्तर बढ़ा, किसानों को मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। सितंबर और अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में हुई वर्षा से बलौदाबाजार जिले के जलाशयों में जल स्तर में सुधार हुआ है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले के कुल 36 जलाशयों में से 12 जलाशयों में 80 प्रतिशत से अधिक पानी भर गया है, जिससे जिले के किसानों और सिंचाई पर निर्भर क्षेत्र में राहत की स्थिति बनी है। अगस्त माह तक जिले में वर्षा सामान्य से कम होने के कारण कई जलाशयों में जल स्तर घट गया था और किसानों में जल संकट को लेकर चिंता बढ़ गई थी। लेकिन सितंबर के अंतिम दो सप्ताह और अक्टूबर के प्रारंभ में हुई लगातार वर्षा ने जलाशयों की स्थिति में सुधार लाया। जल संसाधन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जिले के 36 जलाशयों में औसतन 68 प्रतिशत जल भराव दर्ज किया गया।

विशेष रूप से 4 जलाशय इस समय पूर्ण क्षमता तक भरे हुए हैं। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक बलौदाबाजार जलाशय, बालसमुद जलाशय, कुकदा जलाशय और खैर जलाशय में 100 प्रतिशत जल स्तर दर्ज किया गया है। इसके अलावा, 16 जलाशयों में 50 प्रतिशत से अधिक जल भराव है, जिससे सिंचाई और ग्रामीण जल आपूर्ति के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हुआ है। जल संसाधन विभाग ने बताया कि जिले के जलाशयों में सुधार होने से धान की लेट वैरायटी की

फसल को लाभ मिलने की संभावना है। अगस्त माह में जल संकट और कम वर्षा के कारण किसानों में चिंता का माहौल था, लेकिन सितंबर और अक्टूबर की बारिश ने किसानों को राहत दी है। विभाग ने कहा कि जलाशयों में जल स्तर बढ़ने से सिंचाई व्यवस्था में भी सुधार आया है और खेतों तक पानी पहुंचाने में आसानी हुई है।

सिंचाई की मांग को देखते हुए 22 जलाशयों के गेट खोले गए हैं ताकि पानी सीधे खेतों में पहुंच सके और किसानों की फसल प्रभावित न हो। विभाग ने यह भी बताया कि जलाशयों के गेट खोलने से किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है और कृषि उत्पादन में स्थिरता आएगी।जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वर्षा का यह सुधार जिले में कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है और भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

किसानों का कहना है कि बारिश के बाद जलाशयों का स्तर बढ़ने से फसल सिंचाई में मदद मिली है और लेट वैरायटी की धान फसल को समय पर पानी मिलने की संभावना बढ़ गई है। इसके अलावा, जलाशयों में पर्याप्त जल होने से पीने के पानी की आपूर्ति और पशुपालन के लिए भी राहत मिली है। बलौदाबाजार जिले में वर्षा और जलाशयों की स्थिति में सुधार से न केवल कृषि क्षेत्र में राहत मिली है, बल्कि ग्रामीण इलाकों में पेयजल आपूर्ति और सिंचाई की समस्या कम हुई है। विभाग ने कहा कि यदि आगामी सप्ताहों में भी सामान्य वर्षा होती रही, तो जिले में जल स्तर पूरी तरह सामान्य हो जाएगा और कृषि क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। इस तरह, सितंबर और अक्टूबर की बारिश ने बलौदाबाजार के किसानों और जलाशयों की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार किया है। जल संसाधन विभाग लगातार जलाशयों की मॉनिटरिंग कर रहा है और किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने के लिए गेट संचालन कर रहा है।

ई-सेवाओं की गति बढ़ेगी, लोक सेवा गारंटी के तहत समयबद्ध सेवा वितरण पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में नागरिकों को तेजी से डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ई-सेवाएं और लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में निर्देश दिया गया कि राज्य में हर नागरिक को आवश्यक सेवाएं निर्धारित समय सीमा में प्राप्त हों, इसके लिए सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद जन्म प्रमाणपत्र सहित आवश्यक दस्तावेज नागरिकों को समय पर मिलें, इसके लिए स्वास्थ्य, नगरीय प्रशासन और पंचायत विभागों के बीच समन्वय मजबूत किया जाए। इससे नागरिकों को प्रारंभिक स्तर पर ही सरकारी सेवाओं का लाभ बिना विलंब के मिल सकेगा।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के तहत वर्तमान में 86 सेवाएं ऑनलाइन संचालित हो रही हैं, जिनमें जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र, जन्म-मृत्यु पंजीयन, एवं अन्य नागरिक सेवाएं शामिल हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से इन सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करें और लंबित आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर्स को अपने-अपने जिलों में लंबित आवेदनों की समीक्षा हर सप्ताह करने और नागरिकों को निर्धारित समयसीमा में सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विभागों से समन्वय कर नई सेवाओं को भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने की योजना पर जोर दिया गया है, ताकि राज्य में डिजिटल गवर्नेंस को और सशक्त बनाया जा सके। सरकार का उद्देश्य है कि तकनीक आधारित प्रशासन के जरिए पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़े तथा नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो।

रबी सीजन के लिए बीज की नई कीमत तय

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के राज्य स्तरीय बीज विक्रय दर निर्धारण समिति ने आगामी रबी सीजन के लिए बीज की नई कीमत तय कर दी है। इनमें गेहूं, रागी मटर, चना मसूर, मूंग उड़द तिवरा, सरसों अलसी मूंगफली और तोरिया शामिल हैं। यह दरें कृषक समग्र विकास योजना के अनुसार तय की गई है।

मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ग्राम तेंदुआ में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन रायपुर के सहयोग से ग्राम तेंदुआ में 12 अक्टूबर 2025 को एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला, जिसमें ग्राम तेंदुआ के लगभग 253 ग्रामीणों ने भाग लेकर नि:शुल्क उपचार एवं आयुर्वेदिक औषधियाँ प्राप्त कीं।

शिविर में 10 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों की टीम द्वारा ग्रामीणों की स्वास्थ्य समस्याओं की जाँच कर उचित परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों में डॉ. भुनेश्वरी भारद्वाज, डॉ. इतिश्री देवांगन, डॉ. विजेश्वरी वर्मा तथा डॉ. प्रणिता चांद्रिकापुरे प्रमुख रहे। कार्यक्रम में ग्राम तेंदुआ की सरपंच श्रीमती ऋतु साहू, उपसरपंच मनोज तिवारी, पंचगण श्रीमती हुलेश्वरी साहू, छगनु साहू एवं श्रीमती कामिनी साहू सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यह स्वास्थ्य शिविर मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन, रायपुर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सफल आयोजन में संस्था की टीएमओ श्रीमती कुलेश्वरी साहू, यूथ मेंटर दीपक साहू एवं सोमनाथ धीमर का विशेष योगदान प्राप्त हुआ।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 180 से ज्यादा लोगों ने लिया लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़, सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ और एसके केयर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में संगठन के संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन विप्र शिरोमणि स्व. मांगेराम शर्मा की पुण्यतिथि पर नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 12 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी उ.मा. विद्यालय, रायपुर में आयोजित हुआ, जो सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा और महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा ने बताया कि यह संगठन का 140वां नि:शुल्क चिकित्सा शिविर था। इस शिविर का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। भविष्य में भी ऐसे कई शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में 180 से अधिक छात्रों, अभिभावकों और मरीजों ने चिकित्सा लाभ प्राप्त किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों में डॉ. जया बाजपेयी, डॉ. पूजा आहूजा, पैथोलॉजिस्ट कामिनी ध्रुव, फर्मासिस्ट केनिता साहू, शीतल साहू, ललित सेठी और सेवक साहू शामिल रहे। इन्होंने रक्त शर्करा, रक्तचाप की जांच और दवा वितरण में सहयोग दिया। नि:शुल्क दवा वितरण का कार्य श्रेयांश एंड जीएस फाउंडेशन द्वारा किया गया।

एसके केयर हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. सुनील कुमार ओझा को चिकित्सा और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'विप्र गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. शोभना तिवारी ने भी जांच कर नि:शुल्क होम्योपैथी दवाइयाँ वितरित कीं और उन्हें सहयोग के लिए सम्मान-पत्र दिया गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सक्रिय सहयोग हेतु मुकेश शाह, रशीदा फाजली, पार्वती देवांगन, नीना शर्मा, दुर्गा यादव, कृष्णा विशाल और तिलक यादव सहित अन्य स्टाफ को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुणानिधि मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा, महासचिव अजय अवस्थी, प्रदेश सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, त्रिभुवन तिवारी, संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा, सुमन मिश्रा, विद्या भट्ट, कल्पना मिश्रा, सतीश शर्मा, राघवेन्द्र पाठक, अभिषेक त्रिपाठी और उमेश शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अजय अवस्थी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना है।

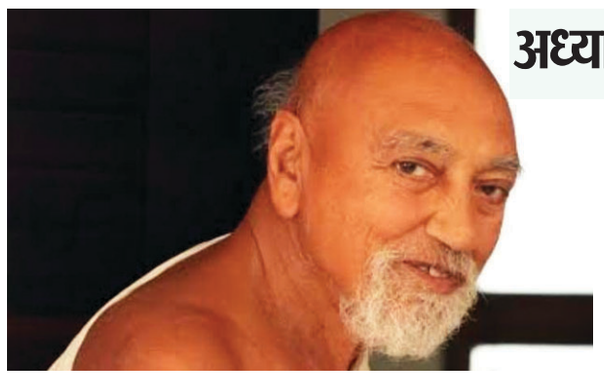

अध्यात्म महेन्द्र सागर होंगे 5 वे आचार्य, जिनमणिप्रभ सूरीश्वर ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तीर्थंकर परमात्मा महावीर स्वामी के पंचम गणधर परंपरा के 82वें वर्तमान पट्टधर आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर महाराज ने बाड़मेर में आयोजित महा मांगलिक कार्यक्रम के दौरान एक ऐतिहासिक घोषणा की। उन्होंने खरतरगच्छ के उपाध्याय पद पर विराजमान अध्यात्म योगी महेंद्रसागर को जैसलमेर में होने वाले चादर महोत्सव के दौरान आचार्य पदवी प्रदान करने की घोषणा की।

इस घोषणा के साथ ही पूरे भारत के खरतरगच्छ संघ में हर्ष की लहर दौड़ गई। जैन समुदाय के श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बधाईयां दीं और पूज्य श्री के प्रति आभार व्यक्त किया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेंद्र कोचर ने कहा कि पूज्य गुरुदेव का यह निर्णय खरतरगच्छ के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। जैसे ही यह समाचार रायपुर पहुंचा, विवेकानंद नगर स्थित संघ भवन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने उपाध्याय महेंद्रसागर को भावपूर्ण शुभकामनाएं दीं और उनके आचार्य पद पर विराजमान होने की पूर्व संध्या पर मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

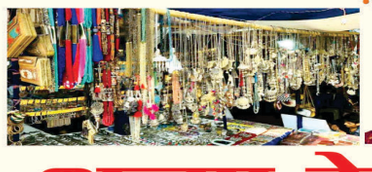

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

51 साल की काजोल पड़ीं 22 साल की नीसा देवगन पर भारी, वीडियो देख लोगों ने कहा- बेटी की बहन लग रही हैं एक्ट्रेस

काजोल और अजय देवगन की बेटी नीसा अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह अपनी मां के साथ मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में पहुंचीं, जहां सबकी निगाहें एक्ट्रेस पर अटक गईं। हर किसी ने उन्हें नीसा की बहन कहा।

बॉलीवुड के पावर कपल काजोल और अजय देवगन की बेटी नीसा देवगन अक्सर चर्चा का विषय बन जाती हैं। वह अगर कहीं स्पॉट हुईं तो उनके बारे में बातें होना लाजमी है। अब वह मां के साथ डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में पहुंची, जहां कुछ ने उन्हें काजोल को बेटी की बहन बताया तो कुछ ने उनकी एक्ट्रेस को बिटिया से ज्यादा सुंदर कहा।

नीसा देवगन बचपन से ही लाइमलाइट में रही हैं। उनकी कम उम्र से लेकर अब तक ती तस्वीरें इंटरनेट पर मौजूद हैं, जिसमें जमीन-आसमान का अंतर देखा जा सकता है। पहले उनका रंग थोड़ा दबा हुआ था लेकिन अब वह गोरी चिट्टी हो गई हैं। इसीलिए जब भी वह लोगों की नजरों में आती हैं, लोग दावा करने लगते हैं कि अजय की बेटी ने सर्जरी करवाई है।

दीवाली पार्टी में नीसा देवगन और काजोल का वीडियो

मनीष मल्होत्रा ने 12 अक्टूबर की शाम अपने घर पर दिवाली पार्टी रखी। जहां पर बॉलीवुड की तमाम हस्तियां पहुंची।

नीसा देवगन की बहन जैसी दिख रही काजोल

नीसा-काजोल के वीडियो पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'दोनों बहुत सुंदर लग रही हैं।' एक ने लिखा, 'मुझे तो काजोल की बेटी

हमेशा नशे में लगती है।' एक ने लिखा, 'ये अपनी मम्मी की तरह कपड़े रहनेगी तो अच्छी लगेगी। मासी की तरह पहनेगी तो डेब्यू से पहले फ्लॉप हो जाएगी।' एक ने लिखा, 'कई सारी सर्जरी के बाद भी नीसा अपनी मां की तरह नहीं दिखती।' एक ने लिखा, 'बेटी से ज्यादा सुंदर है मां।' एक ने लिखा, 'काजोल बहन लग रही हैं।'

बदन पर सलमा-सितारे लपेटे हुए काजोल भी अपनी लाडली के साथ नजर आईं। जहां मां ने सुनहरे रंग की साड़ी तो नीसा देवगन ने सफेद रंग की डिजाइनर साड़ी पहनी थी। अब दोनों का वीडियो सामने आया है, जहां मुस्कुराते हुए दोनों पोज दे रही हैं।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज, शेयर कर दी जानकारी

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म हुआ! जन्नतां नसीब अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो। उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं।

जन्नतां नसीब को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है।

गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं।

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म कैलेंडर गर्ल्स से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में विघ्नहर्ता गणेश टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार निभाया। उन्होंने बिग बॉस ओटीटी 2 में भी भाग लिया है।

अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री और खेसारी लाल यादव के अलावा नीलम गिरी भी मुख्य भूमिका में हैं और सुशील सिंह, प्रकाश जैश, और विनोद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार सहायक भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म का पोस्टर और लाल घघरी गाना पहले ही रिलीज हो चुके हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अग्निपरीक्षा भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ी पेशकश मानी जा रही है, जिसमें ड्रामा, रोमांस, और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा।

इंडस्ट्री में कोई बदतमीजी की हिम्मत नहीं, अभिनेत्री एली अवराम बोलीं-सलमान खान मेरे लिए 'फरिश्ता' कई लोग उनसे डरते हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 7' में नजर आ चुकीं एली अवराम ने सलमान खान को अपने लिए 'फरिश्ता' बताया है। यही नहीं, स्वीडन में पैदा हुई एक्ट्रेस ने कहा कि सलमान के कारण इंडस्ट्री में कोई उनसे बदतमीजी करने की हिम्मत नहीं करता।

स्वीडन में पैदा हुई बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने साल 2013 में मनीष पॉल के साथ 'मिकी वायरस' फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया। पीली साड़ी में कामायनी के किरदार में उन्हें पहली बार देखकर ही दर्शक उनपर फिदा हो गए। उसी साल वह सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 7' में पहुंचीं। फिर 2015 में कपिल शर्मा के साथ फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' ने उनकी पॉपुलैरिटी को नया मुकाम दिया। हिंदी के साथ ही तमिल, कन्नड़ और मराठी फिल्मों में भी नजर आ चुकीं इस खूबसूरत हसीना ने अब सलमान खान संग अपने रिश्तों पर दो टूक बात कही है। एली ने भाईजान को 'फरिश्ता' बताया है। वह कहती हैं कि सलमान खान के कारण इंडस्ट्री में कोई उनके साथ गलत बर्ताव करने की हिम्मत नहीं करता। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि लोग 'दबंग खान' से डरते हैं।

ग्रीक पिता और स्वीडिश मां की 35 साल की बेटी एली करियर बनाने के लिए स्वीडन से मुंबई आईं और अब मायानगरी की होकर रह गईं। भारत में एक दर्जन से अधिक फिल्में कर चुकीं एली ने 'स्क्रीन' को दिए इंटरव्यू में कहा है कि सलमान खान उनको लेकर बहुत प्रोटेक्टिव रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस मामले में खुद को खुशकिस्मत मानती हैं।

एली अवराम बोलीं- मैं सलमान से गणपति पूजा में मिली थी

सुपरस्टार के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए, एली अवराम कहती हैं, 'मैं सलमान खान के संपर्क में हूं। दरअसल, मैं उनसे कई साल बाद हाल ही में गणपति पूजा में मिली थी। मैं असल में संपर्क बनाए रखने में बहुत बुरी हूं। मैं अपने दायरे में रहती हूं। एक अलग देश में अकेले रहने पर आपको बहुत सी चीजों पर कंट्रोल रखने और ध्यान देने की जरूरत होती है। खासकर तब, जब यह देश, उस देश से बहुत अलग है जहां आप अपने माता-पिता के साथ पैदा हुए और पले-बढ़े हैं।'

मैंने दूसरी लड़कियों से उनके चौंकाने वाले अनुभव सुने हैं'

एली कहती हैं कि वह किसी से भी मदद मांगने में हिचकती हैं। यहां तक कि अपने पिता से भी मदद मांगने में उन्हें समस्या होती है। एली ने सलमान के प्रोटेक्टिव स्वभाव के बारे में आगे बात की और कहा, 'सलमान का मुझे लेकर जो स्नेह है, उसको लेकर मैं उनकी बहुत आभारी हूं। वह अपने लोगों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव रहते हैं। वह मेरे जीवन में एक फरिश्ते की तरह रहे हैं। इंडस्ट्री में इतने साल में, मैंने दूसरी लड़कियों से उनके अनुभवों के बारे में जो सुना है, वह बेहद चौंकाने वाला रहा है। मुझे किसी तरह समझ आया कि बहुत से लोग सलमान खान से डरते हैं, इसलिए वो मुझसे बदतमीजी करने की हिम्मत नहीं करते।'

एली अवराम की अपकमिंग फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'मलंग' में नजर आ चुकीं एली अवराम को इसी साल अभिषेक बच्चन की 'बी हैप्पी' में देखा गया था। आगे वह कन्नड़ फिल्म 'बटरफ्लाई' और तमिल फिल्म 'पेरिस पेरिस' में नजर आएंगी।

हार्दिक पांड्या की गर्लफ्रेंड अभिनेत्री माहिका शर्मा ने कुछ रोमांचक होने का दिया संकेत

अगर कोई एक जोड़ा इस समय सुर्खियाँ बटोर रहा है, तो वो हैं भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और मॉडल माहिका शर्मा। महीनों की अटकलों के बाद, दोनों ने हार्दिक के 32वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए हाल ही में बीच पर बिताए अपने खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करके इस रिश्ते को आधिकारिक बना दिया।

मालदीव में बिताई गई इस छुट्टी में, जहाँ दोनों ने समुद्र के किनारे एक खूबसूरत पृष्ठभूमि में पोज दिया, प्रशंसक उनकी केमिस्ट्री के दीवाने हो गए। माहिका शर्मा टीम इंडिया की एशिया कप 2025 की जीत अभी ताज़ा है, हार्दिक पूरी तरह से जश्न के मूड में दिख रहे थे—और उनके साथ माहिका ने यह सुनिश्चित किया कि यह जन्मदिन और भी खास हो। लेकिन जहाँ इस जोड़े की छुट्टियों की तस्वीरें इंटरनेट पर धूम मचा रही थीं, वहीं प्रशंसकों ने तुरंत एक और बात नोटिस की—हाल ही में दिल्ली में संपन्न हुए लैक्मे फैशन वीक में माहिका की अनुपस्थिति।

रीयल-टाइम फ्लाइट की कीमतें। आसान तुलना। अधिकतम बचत। डील्स देखें 24 वर्षीय मॉडल फैशन जगत में नियमित रूप से दिखाई देती हैं, अक्सर उन्हें प्रमुख डिजाइनरों के लिए पहली पंक्ति में या वॉक करते हुए देखा जाता है। इसलिए, जब उन्होंने साल के सबसे बड़े फैशन इवेंट्स में से एक को छोड़ दिया, तो यह किसी की नजरों से ओझल नहीं हुआ। इसके तुरंत बाद, माहिका ने एक ऐसा संकेत दिया जिससे उनके फॉलोअर्स अटकलों में डूब गए। उनकी दोस्त ने एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था, इस सीजन में तुम्हारी बहुत याद आई, लेकिन इस घोषणा के लिए हमेशा रुकी रही। यह इशारा माहिका द्वारा आमतौर पर शो के अंत में की जाने वाली रिकॉर्डिंग्स की ओर था। माहिका ने इस पोस्ट को एक रहस्यमयी कैप्शन के साथ फिर से शेयर किया: उफ कितना प्यारा! जल्द ही मिलते हैं आप सभी से! यकीन मानिए इंतजार सार्थक होगा।

क्या हेलमेट पहनने से बाल झड़ते हैं? बालों की देखभाल के लिए जाने तरीके

बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना कानूनन अनिवार्य है और यह सड़क दुर्घटना में आपकी जान बचा सकता है। हालांकि, कई लोग मानते हैं कि हेलमेट पहनने से उनके बाल ख़राब होते हैं या झड़ने लगते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि टाइट हेलमेट सिर की त्वचा (स्कैल्प) पर दबाव डालता है, जिससे पसीना जमा हो जाता है और बाल कमज़ोर पड़ जाते हैं। वहीं, कुछ लोग मानते हैं कि हेलमेट में जमा धूल, गंदगी या फंगल संक्रमण बालों की जड़ों को प्रभावित करते हैं। अब सवाल यह है कि इन दावों में कितनी सच्चाई है? क्या हेलमेट पहनना भी बाल झड़ने का एक कारण है और इन दावों पर क्या कहते हैं मेडिकल एक्सपर्ट्स?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि बाल झड़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। अब हेलमेट को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या इससे बाल झड़ेंगे? इस बात को मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। लेकिन कभी-कभी हेलमेट सिर पर घर्षण पैदा करता है, जिससे वहाँ पसीना जमा हो सकता है। इसका असर स्कैल्प या बालों के पास की त्वचा पर पड़ता है।

अगर हेलमेट अंदर से गंदा है, बहुत टाइट है और उसमें फफूंद आदि लगी है तो इसका असर बालों पर पड़ेगा। लेकिन हेलमेट बालों के झड़ने का एक इकलौता कारण नहीं है। नियमित रूप से बालों की सफाई और हेलमेट के अंदर की सफाई बालों को नुकसान से बचाने का अच्छा विकल्प है। बालों के झड़ने के पीछे हार्मोनल परिवर्तन, आनुवंशिकी समेत जीवनशैली भी वजह हो सकती है। अभी तक इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि हेलमेट इन कारकों के बिना लोगों में स्थायी रूप से बालों के झड़ने का

कारण बनता है।

युवाओं में बाल झड़ने के मुख्य कारण क्या हैं?

कम उम्र में बालों का झड़ना कोई दुर्लभ बात नहीं है। इसके पीछे की कई वजह हो सकती है और उसका पता लगाना जरूरी है। मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल्स एंड रिसर्च सेंटर में त्वचा विज्ञान और ट्राइकोलॉजी विभाग में सलाहकार के रूप में काम करने वाली डॉक्टर ने इस बारे में अधिक जानकारी दी।

उन्होंने कहा, हार्मोनल फैक्टर, यानी हार्मोन में बदलाव, बाल झड़ने का एक अहम कारण है। महिलाओं में थायरॉइड और पीसीओडी जैसे कारण बाल झड़ने की वजह हो सकते हैं। जबकि पुरुषों में जेनेटिक कारक ज्यादा प्रभावशाली होते हैं। इसके अलावा, बीमारी, विटामिन की कमी, आयरन की कमी और धूम्रपान की आदत भी बालों के झड़ने को तेज कर सकती है।

त्वचा विशेषज्ञ इस बारे में कहती हैं, ज्यादा टाइट हेलमेट पहनने से बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं। ठीक से फिट न होने वाला हेलमेट पहनने से खुजली, पसीना और सिर की त्वचा पर फंगल इंफेक्शन हो सकता है। अगर हेलमेट सही साइज का न हो और उसके अंदर की सफाई ठीक से न की जाए, तो यह समस्या और भी बढ़ सकती है। डॉक्टर कहते हैं कि अगर आप पोनीटेल जैसी हेयरस्टाइल या बालों की जड़ों को कसकर खींचने वाले हेयरस्टाइल पर हेलमेट पहनते हैं, तो इससे घर्षण जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि हेलमेट पहनते समय बाल लगातार खिंचते रहते हैं। इसके अलावा, हेलमेट के किनारों से रगड़ खाने पर बाल टूट भी सकते हैं।

हेलमेट के नीचे जमा पसीना डैंड्रफ का कारण बनता है?

कई लोग अक्सर हेलमेट पहनने से बचने के पीछे डैंड्रफ को भी वजह बताते हैं। इस पर डॉक्टर्स कहते हैं कि हेलमेट सिर की त्वचा पर हल्का गर्म और नम वातावरण बनाते हैं। वहां पसीना जमा हो जाता है और इससे फंगस या बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ये फंगस सिर की त्वचा को संक्रमित कर सकते हैं, जिससे खुजली और डैंड्रफ हो सकती है। इसलिए, अपने बालों को हमेशा साफ रखना और हवादार हेलमेट अच्छी तरह पहनना जरूरी है।

लघु वनोपजों से आत्मनिर्भरता की राह- मुख्यमंत्री साय ने तय किया हरित विकास का रोडमैप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित कलेक्टर-डीएफओ संयुक्त कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के वन प्रबंधन, तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित, लघु वनोपजों के मूल्य संवर्द्धन, ईको-टूरिज्म, औषधीय पौधों की खेती और वनों से जुड़ी आजीविका के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहक हितग्राहियों की संख्या आज 12 लाख से अधिक हो चुकी है, जो हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि हम वन उपज का अधिकतम वैल्यू एडिशन करें। उन्होंने कहा कि राज्य में वन धन केंद्रों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि ग्रामीणों को अधिक आय के साधन मिल सकें और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में अब 46 प्रतिशत वन आवरण हो चुका है, जो लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि

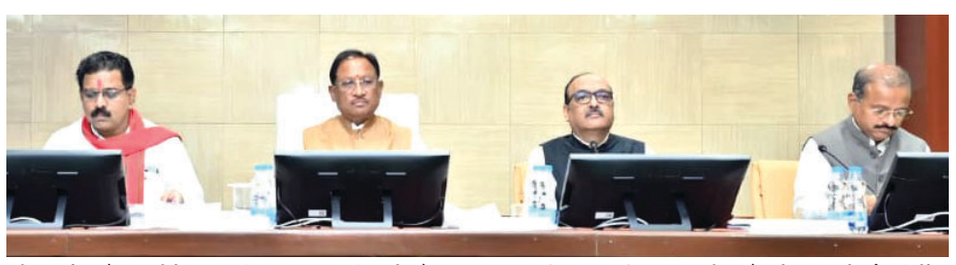

को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में कैम्पा योजना और एक पेड़ मां के नाम जैसी अभिनव पहल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कॉन्फ्रेंस में जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि तेंदूपत्ता संग्राहकों को भुगतान सात से पंद्रह दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही भुगतान की जानकारी एसएमएस के माध्यम से सीधे संग्राहकों के मोबाइल पर भेजी जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में बताया गया कि लगभग 15 लाख 60 हजार संग्राहकों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज हो चुकी है और सभी भुगतान बैंक खातों के माध्यम से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्रहण प्रक्रिया के पूर्ण कंप्यूटरीकरण की पहल को और तेज करने के निर्देश दिए। कॉन्फ्रेंस में औषधीय पौधों की खेती के विस्तार हेतु प्रचार-प्रसार गतिविधियों को बढ़ाने और इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले की सहायता लेने पर भी चर्चा की गई। बैठक में बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर जिलों में पिछले सीजन में हुए तेंदूपत्ता संग्रहण की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी सीजन के लिए पूर्व-कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि संग्राहकों को समय पर लाभ मिल सके और किसी प्रकार की देरी न हो। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि पहली बार वन अधिकारियों की बैठक आयोजित कराने के लिए वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सभी कलेक्टर और वन अधिकारी समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करें, तो इसके अत्यंत अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि बस्तर और सरगुजा संभागों में विशेष रूप से ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे आजीविका से जोड़ने के लिए ठोस रणनीति बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अब 75 प्रकार की लघु वनोपजों की खरीदी करने जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

लघु वनोपज आधारित स्टार्टअप और वन धन केंद्रों को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लघु वनोपजों को वनांचल क्षेत्रों में आजीविका के प्रमुख साधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। बैठक में लघु वनोपज आधारित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और वन धन केंद्रों को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सके। छत्तीसगढ़ हर्बल और संजीवनी ब्रांड के उत्पादों के प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि इन उत्पादों की बिक्री ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में बढ़ाई जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों के लिए एक मजबूत मार्केट नेटवर्क विकसित हो सके। साथ ही, उत्पादों के जैविक प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने पर बल दिया गया।

औषधीय पौधों की खेती के विस्तार की नई पहल

बैठक में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। धमतरी, मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिलों में औषधीय पौधों की खेती से संबंधित विषयों पर उपस्थित डीएफओ को विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि औषधीय पौधों की खेती न केवल लोगों की आजीविका बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि पारंपरिक उपचार पद्धतियों के ज्ञान को भी आगे बढ़ाएगी। औषधीय पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और लोगों की आय में वृद्धि के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी संभागायुक्त, जिला कलेक्टर एवं वन मंडलाधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ की टमाटर 'महाराष्ट्र की रसोई' तक पहुंची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टमाटर की खेती से कई किसान परिवारों ने आत्मनिर्भरता हासिल की है, जिनमें से कुछ ने इसे सफलतापूर्वक एक लाभदायक व्यवसाय बना लिया है। यह खेती, खासकर जब उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों और आधुनिक तकनीकों को अपनाया जाता है, अच्छी आय प्रदान कर सकती है और परिवार के लिए वित्तीय स्थिरता ला सकती है। कोरिया जिले के सोनहत विकासखण्ड के ग्राम बसवाही की श्रीमती जयवती आज क्षेत्र की उन प्रेरक महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर अपनी पहचान बनाई है। जयवती ने बताया 'मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि कोरिया की धरती पर उगाई गई टमाटर महाराष्ट्र तक पहुंचेंगी, लेकिन यह सच है।

जयवती 'चमेली स्व सहायता समूह' से जुड़ी हैं और अपने पति गोपाल चेरवा के साथ मिलकर तीन एकड़ भूमि में टमाटर की खेती करती हैं। उनके पति धान की खेती के साथ-साथ अन्य कृषि कार्यों में भी उनका सहयोग करते हैं। जयवती बताती हैं कि टमाटर की पैदावार अच्छी होने से अब उनकी उपज बिलासपुर, रायपुर से लेकर महाराष्ट्र तक पहुंच रही है। सालभर में करीब तीन लाख रुपये की आमदनी से परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। श्रीमती जयवती ने बताया कि उनके दो बच्चे हैं बेटी कक्षा छठवीं में और बेटा कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत है। अब वे बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पूरी निष्ठा से सहयोग करने का संकल्प रखती हैं। निश्चित ही श्रीमती जयवती जैसी महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन रही हैं।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का संदेश - योग से विश्व कल्याण की ओर भारतः राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। न्यू सर्किट हाऊस रायपुर के कन्वेंशन हाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला 2025 में भारतीय संस्कृति, परंपरा और योग की प्राचीन विद्या की अद्भुत झलक देखने को मिली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और वैश्विक समरसता का मार्ग है।

मंत्री वर्मा ने कहा कि योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम व्यसनमुक्त, स्वस्थ और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने इस आयोजन को एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संगम बताते हुए कहा कि यह कार्यशाला आने वाली पीढ़ियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और स्वास्थ्य के मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य उपहार है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर जीवन में सकारात्मकता लाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' थीम के अनुरूप एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के वैश्विक संकल्प को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। योग के माध्यम से हम न केवल अपने शरीर को स्वस्थ रख

सकते हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण में संतुलन स्थापित कर विश्व कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विविध योगासन, ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से स्वास्थ्य लाभों का अनुभव किया। विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीकों के साथ योग के वैज्ञानिक पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

अंत में मंत्री टंक राम वर्मा ने इस सफल कार्यशाला के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती, जहां मां कौशल्या जैसी महान माताएं जन्मीं, वहां से योग और संस्कृति के माध्यम से विश्व को शांति और स्वास्थ्य का संदेश देना गर्व का विषय है।

उजाले से उपजता आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश के ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतीक बन गई है। यह योजना नागरिकों को सौर ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर कर रही है। योजना के अंतर्गत नागरिक अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर बिजली का उत्पादन कर सकते हैं, जिससे न केवल घरेलू आवश्यकताएँ पूर्ण होती हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा होने से अतिरिक्त आय का सृजन हुआ है। कोरबा जिले में यह योजना नागरिकों के जीवन में स्थायी परिवर्तन ला रही है। यहाँ के आयुष अग्रवाल और अजय राज बेन इस योजना की सफलता के उदाहरण हैं। श्री अग्रवाल ने अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी की है और बचत से परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। वहीं, भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त अजय राज बेन ने 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम लगाकर अपने घर को पूर्णत: स्वच्छ ऊर्जा से संचालित किया है।

यह योजना केवल बिजली की व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन चुकी है, जो नागरिकों को उपभोक्ता से उत्पादक की भूमिका में ला रही है।

देश के पहले डिजिटल संग्रहालय में दिखेगी आदिवासी नायकों की शौर्य गाथा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में तैयार किए गए भव्य संग्रहालय सह-स्मारक का लोकार्पण राज्योत्सव के अवसर पर करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर बनाए जा रहा यह संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय होगा।

इस संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए 16 आदिवासी विद्रोहों की झलक देखने और सुनने को मिलेगी। संग्रहालय के लोकार्पण के लिए साज-सज्जा का काम अंतिम चरण में है। भारत सरकार के केन्द्रीय जनजाति मंत्रालय के अधिकारियों ने आज इस संग्रहालय का अवलोकन कर इसकी भव्यता और जीवंत

प्रस्तुति की सराहना की। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय की ओएसडी श्रीमती रंजना चोपड़ा और संचालक दीपाली मासिरकर को संग्रहालय का भ्रमण कराते हुए बताया कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। नई पीढ़ियों को आदिवासियों का स्वतंत्रता विद्रोह की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में डिजिटल माध्यम से आदिवासी समाज के विद्रोहों और उनके नायकों की गाथा की प्रस्तुति संग्रहालय का विशेष आकर्षण रहेगी। पूरे संग्रहालय परिसर को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर सरगुजा के कलाकारों द्वारा बनाए गए बेहद खूबसूरत नक्काशीदार पैनल लगाए जाऐंगे। वहीं मुख्य द्वार पर अंदर प्रवेश करते ही लगभग 1400 वर्ष पुराने साल वृक्ष की प्रतिकृति बनाई जा गई है, इसकी पत्तियों पर सभी 14 विद्रोहों का जीवंत वर्णन किया गया है। केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय की ओएसडी श्रीमती रंजना चोपड़ा ने संग्रहालय परिसर में तैयार हो रहे तालाब के चारों ओर सुन्दर पाथवे बनाने एवं लाईट की व्यवस्था और अंदर की गैलरी में ट्राईबल आर्ट का प्रयोग करने कहा। संग्रहालय के ओरिएंटेशन रूम की बाहरी दीवारों पर शहीद वीर नारायण सिंह जी की शहादत संबंधी जानकारी जैसे जेल रिकॉर्ड, सुनाई गई सजा के आदेश की कॉपी इत्यादि सभी मूल अभिलेख संरक्षित कर डिस्प्ले करने के सुझाव दिए।

चोपड़ा ने शहीद वीर नारायण सिंह जी के संघर्ष से संबंधित समाज द्वारा उपलब्ध कराई गई तलवार को भी संग्रहालय में संरक्षित कर प्रदर्शित करने और सोनाखान विद्रोह को प्रदर्शित करने के लिए ऑडियो-वीडियो व डिजिटल स्क्रीन की व्यवस्था, संग्रहालय में ट्राईबल रिलेटेड डॉक्यूमेंट फिल्म का भी प्रदर्शन, प्रत्येक गैलेरी में ऑडियो विजुअल की व्यवस्था कहा, ताकि आगंतुकों को मोबाइल में स्कैन करने पर पूरी जानकारी उपलब्ध हो और म्यूजिक को भी सुना जा सके। उन्होंने संग्रहालय में सेल्फी प्वाइंट भी बनाने भी कहा।

खेल हमें जीवन में बहुत कुछ सिखाता है, मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा : लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उर्जाधानी कोरबा के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में प्रदेश सरकार के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा दीप प्रज्वलित कर 25वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस दौरान कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, नगर पालिक निगम महापौर कोरबा संजूदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह गौरव की बात है कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के मेजबानी की जिम्मेदारी कोरबा जिले को पुन: मिली है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

खेल हमें जीवन मे बहुत कुछ सिखाता है, खेल में हार जीत लगा रहता है, इसमें निराश होने की जरूरत नही है, बल्कि अपनी गलतियों एवं कमियों को सुधार कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा है कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिससे शारीरिक के साथ ही बौद्धिक विकास भी होता है। खेल से हम स्पर्धा, समर्पण, मेहनत और टीम भावना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से अलग अलग क्षेत्रो के लोगों को एक दूसरे की संस्कृति, रीति रिवाजों से परिचित होने व जुड़ने का मौका है। उन्होंने कहा कि आप सभी यहां से एक सुखद यादें एवं अनुभव लेकर जाएंगे जो जीवन पर्यन्त आपके काम आएंगी।

मंत्री श्री देवांगन ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप सभी देश का आने वाला कल है। शिक्षा के साथ साथ खेल एवं अन्य विधाओं में आगे बढ़ने का सभी प्रयास करते रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेल भावना के साथ हिस्सा लेने एवं अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। जिससे वे आगे चलकर नेशनल जैसे बड़े प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खेल कौशल दिखा सकें एवं अपने परिवार का नाम रौशन कर सकें।

विधायक कटघोरा श्री पटेल ने कहा कि खेल जीवन के लिए बहुमूल्य है। खेल से व्यक्ति को अपने प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। जीवन मे धैर्य व अनुशासन के साथ कठिन परिश्रम करने से निश्चित ही अच्छा परिणाम मिलता है। इसलिए आप सभी खेल का आनंद ले, अपने बेहतर प्रदर्शन से जीत हासिल करें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने-अपने संभाग का प्रतिनिधित्व करने और ऊर्जा के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी।

शुभारंभ कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन और ध्वजोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के निर्धारित नियमों एवं विधियों का निष्ठापूर्वक पालन करने तथा देश एवं खेल के गौरव के लिए सच्चे खिलाड़ी भावना के साथ भाग लेने की शपथ दिलाई। शुभारंभ अवसर पर छात्र-छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई एवं पांचों संभाग के खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया साथ ही अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों सभांग बस्तर, दुर्ग, रायपुर, सरगुजा एवं बिलासपुर संभाग के प्रतिभागी शामिल हैं। 12 से 15 अक्टूबर तक चलने वाले चार दिवसीय राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के दो विधा की प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसके अंतर्गत क्रिकेट, तैराकी, हॉकी, व्हॉलीबाल, वाटर पोलो बालक/बालिका प्रतियोगिता शामिल है।

दीपावली से पहले मिली राशि ने बढ़ाई खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित महतारी वंदन योजना लाखों महिलाओं के जीवन में खुशहाली में मददगार साबित हो रही है। दीपावली पर्व से पूर्व योजना की 20वीं किश्त जारी होने से पूरे प्रदेश की महिलाओं के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास झलक उठा है।

इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को प्रति माह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे महिलाएं अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में सक्ती जिले की ग्राम पंचायत टेमर निवासी श्रीमती रजनी कुम्हार भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं। रजनी ने बताया कि पहले परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाई होती थी, लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि से उन्हें आर्थिक संबल और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है। उन्होंने इस राशि का सदुपयोग करते हुए अपने पति श्री पीताम्बर कुम्हार के सहयोग से मिट्टी के दीये, मटके, घड़े, कलश और सुराही जैसे पारंपरिक मिट्टी के उत्पादों के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया है। दीपावली के अवसर पर वे प्रतिदिन लगभग 2,000 से 2,500 दीये तैयार कर रही हैं, जिससे अच्छी आमदनी की उम्मीद है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

इलाज कराने पहुंची थी पीड़िता से झोलाछाप डॉक्टर ने किया दुष्कर्म

बिलासपुर। बिलासपुर की मस्तूरी पुलिस ने युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी झोलाछाप डॉक्टर सरजू साहू को गिरफ्तार किया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आरोपी झोलाछाप डॉक्टर ने अपनी शादी की बात को छिपाया था और युवती से दुष्कर्म किया। आरोपी, अकोला गांव का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, युवती की तबियत खराब होने पर वह झोलाछाप डॉक्टर के पास इलाज कराने गई थी। तब वहां झोलाछाप डॉक्टर ने सम्पर्क बढ़ाया और शादी का झांसा देकर 5 जनवरी 2024 को दुष्कर्म किया था। इसके बाद उसने कई बार युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी झोलाछाप डॉक्टर सरजू साहू ने अपनी शादी की बात युवती से छिपाई थी। बाद में युवती को झोलाछाप डॉक्टर के शादीशुदा होने की जानकारी हुई, तब उसने मस्तूरी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी झोलाछाप डॉक्टर सरजू साहू को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

2 करोड़ की ठगी, मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

पत्थलगांव। जादुई कलश के नाम पर प्रदेश में करोड़ों की ठगी करने के मामले में जशपुर पुलिस की एसआईटी ने सूरजपुर जिले से अरविंद राठौर नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक हुई यह चौथी गिरफ्तारी है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि मामला 7 सितंबर को तब सामने आया, जब पत्थलगांव थाना क्षेत्र की प्रार्थिया अमृता बाई ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में आरोपी तुरेन्द्र कुमार उर्फ़ मनीष दिव्य, राजेंद्र दिव्य, प्रकाश धृतलहरे और उपेंद्र सारथी ने उन्हें बताया कि कोरबा जिले के मड़वारानी शक्तिपीठ में एक जादुई कलश मिला है जिसकी कीमत करोड़ों में है।

आरोपियों ने महिला को झांसे में लेते हुए बताया कि कलश को विदेश में बेचकर भारी रकम मिलेगी और कंपनी से जुड़े लोगों को 1 से 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। कंपनी से जुड़ने के लिए शातिरों ने पंजीयन और केवाईसी शुल्क के नाम पर पहले 2500 रुपये लिए और बाद में 25 से 70 हजार रुपये तक वसूले। वर्षों बीतने के बाद भी लाभ नहीं मिलने पर जब पीड़िता ने संपर्क किया तो आरोपी टालमटोल करने लगे। शिकायत पर कांसाबेल पुलिस ने धारा 420, 34 के तहत मामला दर्ज किया। जांच में सामने आया कि जशपुर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग में कुल 1.90 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। गिरोह को पकड़ने के लिए टीआई विनीत पांडे की अगुवाई में एसआईटी गठित की गई। इस मामले में पुलिस ने कोरबा के भदरापारा निवासी तुरेन्द्र उर्फ़ मनीष दिव्य (38), जशपुर के प्रकाशचंद्र धृतलहरे (40), रायपुर के राजेंद्र कुमार दिव्य (46) और सरगुजा जिले के उपेंद्र कुमार (56) को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

इंटरसिटी-एक्सप्रेस में मिला 3.37 करोड़ का सोना व चांदी, दिवाली से पहले RPF की कार्रवाई

यात्री से ढाई किलो से ज्यादा सोने के जेवर-बिस्किट-चांदी जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर से इतवारी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री से करीब 3 करोड़ का सोना-चांदी पकड़ाया है। 13 अक्टूबर को नरेश पंजवानी (55) ट्रेन में सफर कर रहे थे। इस दौरान वे अपने पास के एक थैला रखे हुए थे। जिसमें करोड़ों की ज्वेलरी भरी हुई थी। RPF को इसकी सूचना मिलते ही उसे पकड़ लिया। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) टास्क टीम ने आमगांव-गोंदिया के बीच एस-6 कोच में बैठे नरेश पंजवानी से पूछताछ की तो वह हड़बड़ा गया। जिसके बाद बैग की तलाशी लेने पर 3.37 करोड़ मूल्य के जेवरात बरामद हुए। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह गोंदिया का रहने वाला है।

नागपुर RPF ने की कार्रवाई

बिलासपुर-इतवारी एक्सप्रेस में सफर के दौरान नागपुर RPF की टास्क टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रेन के एस-6 कोच में एक संदिग्ध व्यक्ति सफर कर रहा है। जिसके पास बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के जेवरात हैं। खबर मिलते ही टास्क टीम एक्टिव हो गई। इस दौरान टीम ने आमगांव-गोंदिया के बीच एस-6 कोच में एक व्यक्ति से पूछताछ की तो वह हड़बड़ा गया। उसके थैले की तलाशी लेने पर सोने और चांदी के जेवरात और सोने की बिस्किट भी मिले। RPF की टीम ने संदिग्ध से पूछताछ की तब उसने बताया अपना नाम नरेश पंजवानी (55) बताया। वह गोंदिया के श्रीनगर बम्बा भवन के पास रहता है। उसके पास रखे थैले में मिले सोने के ज्वेलरी का कुल वजन लगभग 2 किलो 683 ग्राम है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.27 करोड़ है। वहीं, चांदी की ज्वेलरी कुल वजन 7 किलो 440 ग्राम जिसकी कुल कीमत लगभग 10.44 लाख है। दोनों को मिलाकर कुल कीमत 3.37 करोड़ रुपए के जेवरात हैं।

बिल और दस्तावेज नहीं दिखाया, कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई

पूछताछ के दौरान संदेही व्यक्ति से जब्त सोने और चांदी के संबंध के बिल और दस्तावेज की मांग की गई। लेकिन, उसके पास कोई बिल और रसीद नहीं था। लिहाजा, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ने नागपुर के राजस्व खुफ्मिा निदेशालय के समक्ष संदेही को पेश। जिस पर टीम ने सोने और चांदी के आभूषणों को जब्त कर कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, ये सोना-चांदी किसका है, इस पर अभी जांच जारी है। नागपुर की टीम मामले में आगे की जांच कर रही है।

जलकुंभी सफाई के दौरान तालाब में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। नगर पालिका की सफाई टीम को मंगलवार सुबह उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब नियमित सफाई अभियान के दौरान बंधा तालाब में एक शख्स का शव मिला।

मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका के कर्मचारी तालाब से जलकुंभी हटाने के लिए जेसीबी मशीन से सफाई कर रहे थे, तभी अचानक जलकुंभी के बीच फंसा हुआ शव पानी की सतह पर तैरने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान कोंडागांव निवासी कमल सिंह ठाकुर के रूप में हुई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

नगर पालिका कर्मचारी संतोष ने बताया कि सुबह सफाई के दौरान जलकुंभी के बीच कुछ संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। नजदीक जाकर देखने पर कर्मचारियों को शव नजर आया, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल

मौके पर पहुंचा और पंचनामा की कार्यवाही के बाद शव को अस्पताल भिजवाया गया। इस दौरान मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई, जो मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल यह जांच की जा रही है कि युवक की मौत दुर्घटनावश पानी में डूबने से हुई या फिर किसी अन्य कारण से। घटना के बाद से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी संभावित पहलुओं पर गौर किया जा रहा है।

नशीली कैप्सूल के साथ चार तस्कर हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में नशे और अवैध शराब के खिलाफपुलिस का सखूत अभियान लगातार जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह के निर्देश पर चल रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत रविवार और सोमवार को पचपेड़ी और कोनी थाना क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। पचपेड़ी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर बाइक से शराब ले जा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में विनोद पाटले (25 वर्ष) और चंद्र प्रकाश रात्रे (27 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब और एक मोटरसाइकिल जब्त की। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि जिले में

अवैध शराब के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है और इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

वहीं कोनी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान आरिफ मोहम्मद (24 वर्ष), निवासी महामाया पारा घुटकू, और दवाई दुकान संचालक निशांत गोस्वामी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 698 नग प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल, एक स्विफ्ट कार, मोबाइल फोन और 300 नकद जब्त किए। इनकी अनुमानित कीमत कुल 3,14,837 है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में संज्ञेय अपराध दर्ज कर तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में नशे और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना और समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जिले में नशा और अवैध शराब पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध शराब निर्माण, तस्करी या नशीले पदार्थों की जानकारी तुरंत अपने नजदीकी थाना या डायल 112 पर दें। पुलिस टीम की सतर्कता और सक्रियता से नागरिकों में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ा है। पचपेड़ी और कोनी में की गई कार्रवाई से यह संदेश गया है कि बिलासपुर पुलिस अवैध शराब और नशीले पदार्थों के कारोबार पर कोई भी समझौता नहीं करेगी। इस अभियान के तहत जिले के अन्य थानों में भी लगातार गश्त, छापेमारी और निगरानी जारी है। पुलिस ने कहा कि अवैध शराब और मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में ऐसी कार्रवाई और तेज की जाएगी।

पुलिस का नशे और अवैध शराब पर सख्त अभियान, चकरभाठा में तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में नशे और अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के नेतृत्व में रविवार और सोमवार को जिले के अलग-अलग थानों में संयुक्त छापेमार कार्रवाई की गई। इस अभियान में चकरभाठा, पचपेड़ी, कोनी और कोटा पुलिस की टीमें शामिल रही। इन कार्रवाइयों के दौरान पुलिस ने दर्जनों लीटर महुआ शराब, प्रतिबंधित कैप्सूल, निर्माण उपकरण, वाहन और नगद बरामद किया। मुख्य कार्रवाई थाना चकरभाठा क्षेत्र में हुई, जहां नदी किनारे अवैध शराब निर्माण का भंडाफोड़ हुआ। चकरभाठा थाना पुलिस ने ग्राम पिरैया में अवैध शराब भट्ठी का पता लगाया और वहां तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों में संजू भारद्वाज (22 वर्ष), सुभाष भारद्वाज (25 वर्ष) और अजय लहरें (30 वर्ष) शामिल हैं। मौके से पुलिस ने 150 लीटर महुआ शराब, 5 गैस सिलेंडर, 5 हैंडा, झोंकनी पाइप और अन्य शराब बनाने वाले उपकरण जब्त किए। अनुमानित कीमत लगभग ?30,000 है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा

34(1)(क)(च), 34(2), 59(क) और धारा 111(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। सभी मामलों में संगठित अपराध की धाराओं में भी कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार का उद्देश्य जिले में नशा और अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार सतर्क है और किसी भी अवैध गतिविधि को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस टीम ने बताया कि अभियान के दौरान सभी थानों की टीमों ने मिलकर पूरे जिले में निगरानी बढ़ाई है। नशे और शराब के कारोबार से जुड़े सभी सूत्रों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शराब बनाने और बेचने वाले किसी भी व्यक्ति को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगातार अभियान चला रही है। इस अभियान से नागरिकों में सुरक्षा और कानून के प्रति विश्वास बढ़ा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध शराब निर्माण या मादक पदार्थों के कारोबार की सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना या डायल 112 पर दें। बिलासपुर पुलिस का यह कदम जिले में नशे और अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह रोकने, अपराध नियंत्रण और समाज में शांति बनाए रखने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

फर्जी दस्तावेजों से वन अधिकार पट्टा घोटाला, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में वन अधिकार पट्टों में धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के चारामा क्षेत्र में पुलिस ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर वन अधिकार मान्यता पत्र (Forest Rights Patta) प्राप्त करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से शासन को 5 लाख 17 हजार 773 रुपये का आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। यह पूरा मामला ग्राम मयाना के ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत के बाद उजागर हुआ।

ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (SDM), चारामा को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि ग्राम पंचायत मयाना में कुछ लोगों ने

शासकीय भूमि पर अवैध रूप से वन अधिकार पट्टे हासिल कर लिए हैं। शिकायत में कहा गया था कि इन पट्टों को प्राप्त करने के लिए कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लिया गया है और सरकारी तंत्र को गुमराह कर भूमि का दुरुपयोग किया जा रहा है।

शिकायत प्राप्त होने के बाद एसडीएम कार्यालय ने मामले की प्रशासनिक जांच शुरू की। जांच में यह बात सामने आई कि ग्राम मयाना निवासी जीवन ठाकुर और उसके साथियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वन अधिकार मान्यता पत्र बनवाए थे। जांच रिपोर्ट तैयार कर इसे थाना चारामा को भेजा गया, जहां पुलिस ने अपराध क्रमांक 123/25 दर्ज कर विवेचना आरंभ की। पुलिस जांच के दौरान यह प्रमाणित हुआ कि आरोपियों ने राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी कर अपने नाम पर शासकीय भूमि का पट्टा तैयार करवाया था। उन्होंने वन विभाग और राजस्व कार्यालय को झूठी जानकारी दी, जिससे शासन को न केवल आर्थिक नुकसान हुआ बल्कि भूमि के वास्तविक लाभार्थियों के अधिकार भी प्रभावित हुए।

चारामा थाना पुलिस ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की और तीनों आरोपियों- जीवन ठाकुर (49 वर्ष, पिता रामदयाल), शोप सिंह (60 वर्ष, पिता शिव प्रसाद) और नीरज कुमार पोया (23 वर्ष, पिता जीवन) को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी ग्राम मयाना, थाना चारामा, जिला कांकेर के निवासी हैं। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी चारामा निरीक्षक तेज वर्मा, उपनिरीक्षक रनेश सेठिया, सहायक उपनिरीक्षक भकेश पटेल, आरक्षक अनिल जैन और जितेंद्र नाग सहित थाना चारामा की टीम शामिल रही। पुलिस ने कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और जांच आगे बढ़ाई जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस मामले में किसी शासकीय कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने इस घटना को गंभीर माना है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में इस तरह की फर्जीवाड़े की घटनाओं को रोकने के लिए पट्टा वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटाइज्ड किया जाएगा। साथ ही, राजस्व विभाग और वन विभाग के बीच डेटा मिलान की प्रक्रिया को मजबूत किया जाएगा ताकि कोई भी व्यक्ति जाली दस्तावेजों से सरकारी लाभ प्राप्त न कर सके।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202509101000169

विषय:- ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2024-2025
सुपेला प.ह.न. 00047 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार गंटालू कृष्णावेनी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक-गंटालू कृष्णावेनी पिता/पति/विभाग-गंटालू कृष्णा राव पता- सुपेला भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने गंटालू रवि का जन्म दिनांक 25/02/1989 को स्थान कैम्प 01 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग में होने से जन्म प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के समर्थन में अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया है। 02 प्रकरण दर्ज हो। 03 इश्तहार का प्रकाशन हो। 04 दो गवाह का कथन अंकित किया जावे।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.10.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/09/2025 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

सतत प्रगति पथ पर छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

बस्तर में बदलाव की बयार

- नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार
- 24,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकास की नई उड़ान
- जांगला (बीजापुर) देश का पहला हेल्थ वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत की सौगात
- नगरनार स्टील प्लांट राष्ट्र को समर्पित
- रावघाट जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना से विकास को नई रफ्तार
- 50,000 करोड़ की बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना बिजली, सिंचाई, रोजगार और पेयजल का मिलेगा लाभ

RO- 45524/1

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950